■ अमरावती, गडचिरोली, चंद्रपुर, गोंदिया, भंडारा ■ वर्ष - ११ ■ अंक ६४ ■ गुरुवार, दि. १ जनवरी २०२६ ■ डाक - शुक्रवार, दि. २ जनवरी २०२६ ■ पृष्ठ ८ ■ मूल्य २ रु.

सांध्य दैनिक
विदर्भ की दहाड़

महानगर का अखबार हूँ.. सच लिखता हूँ

E-mail - amtdahad@gmail.com

संपादक - सुनील एम. सचदेव मो. १४२२६६६८२७

■ सेन्सेक्स - ८५,१८८.६०
■ सोना - १३५,८३० (१० ग्राम)
■ चांदी - २३५,५२० (१ किलो)

दुपहिया की डिक्की से रकम उडाई

अमरावती - सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के खापर्डे बगीचा स्थित आदर्श प्राथमिक स्कूल के सामने से महिला की दुपहिया चोरी होने की मामला सामने आया है। पोस्ट ऑफिस कार्यालय के अकाउंट से ६५ हजार रुपये निकाले, तथा महिला के पर्स में रखे थे। वह पर्स दुपहिया क्रं. एमएच-२७ बीएस ४५१८ की डिक्की में रखकर लॉक लगाया था। तथा स्कूल परिसर में अपनी बेटी को लाने गये थे। बेटी को लेकर वापस गाडी के पास पहुंचे और गाडी की डिक्की खोलकर देखा तो उसमें रखी रकम नदारत थी। मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी वहीं काम कर रहे, जो श्रीराम का था

अयोध्या न जाने पर बोले कांग्रेस नेता नाना पटोले

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अब तक अयोध्या न जाने को लेकर उठ रहे सवालों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। नाना पटोले ने कहा कि राहुल गांधी भगवान राम के ही आदर्शों पर चल रहे हैं। राहुल गांधी वही काम कर रहे हैं, जो भगवान श्रीराम का था।

नाना पटोले ने अपने बयान में कहा, भगवान श्रीराम हर के दिल में होते हैं, हर के विचारों में होते हैं। शोषित, पीड़ित लोगों की सेवा करना, उनको न्याय दिलाना, यही भगवान श्रीराम जी का काम था। वही राहुल जी कर रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि भगवान राम को मंदिर तक सीमित नहीं किया जा सकता, बल्कि उनके विचार और कर्म ज्यादा अहम है।

राहुल गांधी के अयोध्या न जाने को लेकर हो रही राजनीति पर पटोले ने कहा कि जब राहुल गांधी अयोध्या जाएंगे, तब वे रामलला के दर्शन जरुर करेंगे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि राजीव गांधी ने रामलला मंदिर का ताला खुलवाया था और यह बात देश की जनता अच्छी तरह जानती है।

कांग्रेस नेता ने मंदिर जाने को लेकर होने वाले राजनीतिक दिखावे पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में कुछ लोग सिर्फ दिखावे के लिए मंदिर जाते हैं, लेकिन राहुल गांधी ऐसे नहीं हैं। पटोले ने कहा राहुल जी भगवान श्रीराम का काम कर रहे हैं, इसलिए उन्हें दिखावे की जरुरत नहीं है।

नाना पटोले ने मौजूदा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता आज महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की बदहाली से परेशान है। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता में बैठे हैं और इन गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाकर इस तरह की बातें कर रहे हैं, उनकी मानसिकता पर ज्यादा ध्यान देने की जरुरत नहीं है।

संजय निरुपम का निशाना

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने कांग्रेस के साथ ही उद्धव ठाकरे गुट पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने नाना पटोले की ओर से राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना करने पर कांग्रेस को घेरा है। संजय निरुपम ने कहा कि जो कांग्रेस कभी भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल खडे किए, अयोध्या राम मंदिर में उनके दर्शन करने नहीं पहुंचे। कांग्रेस की पहचान ही राम विरोधी है। वो रावण के अनुयायी हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, अगर नाना पटोले दावा कर रहे हैं कि भगवान राम के आदर्श के मुताबिक राहुल गांधी दबेकुचले के लिए काम करने कर रहे हैं तो क्या वहीं दबेकुचले को ढूंढने वो हर दो महीने में कोलंबिया, पेरू इटली, लंदन, थाईलैंड जाते है? यह किस तरह का काम है। संजय निरुपम ने ठाकरे गुट की शिवसेना पर हमला बोलते हुए कहा, जिस पार्टी शिवसेना की स्थापना हिन्दू हृदयसम्राट बालासाहेब ने की। हमेशा हिंदी-हिन्दू-हिंदुस्तान का समर्थन किया, आवाज उठाई, अब उन्ही के बेटे उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) मुस्लिम वोट के लिए इतना छटपटा रहे हैं कि उन्होंने हिंदी या मराठी छोड़कर उर्दू में पम्फलेट या प्रचार कर लोगों से वोट मांग रहे। यूबीटी अब जिहादियों के साथ खडी नजर आ रही है और अपनी पार्टी में शामिल कर रहे। यह उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी यूबीटी की असलियत है, जिसे जनता समझ गई है।

पैसे लेकर संतोष बद्रे ने काटी टिकट

यश काटोले का गंभीर आरोप

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - शिवसेना शिंदे के जिला प्रमुख संतोष बद्रे ने पैसे लेकर मेरी टिकट कांटी है। यह गंभीर आरोप यश काटोले ने प्रेसवार्ता के माध्यम से लगाया।

काटोले ने कहा की प्रभाग ३ नवसारी से मनपा चुनाव लडने की पूर्ण तैयारीया की थी। पार्टी के प्रोटोकॉल का पालन करते हूए पहले आवेदन व साक्षात्कार भी दिया। मगर संतोष बद्रे ने लालच में आकर पैसे लेकर टिकट कांटी। काटोले ने दावा किया की अभिजीत अडसुल के पीए नितीन गाले ने उन्हे मोबाईल पर संपर्क कर बताया की बद्रे ने उनकी टिकट काटी है। काटोले ने कहा की उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ हमेशा रहेगे। बद्रे को जिलाप्रमुख पद से हटाना चाहीए। वे शिवसेना शिंदे का सत्यानाश कर रहे है। उनके नेतृत्व में एक भी पार्षद चुनकर नही आयेगा। यहा तक की वे अपनी पत्नी कोमल बद्रे को भी विजयी नही बना सकते। उनका सपना केवल मनी-मनी रहने का आरोप भी काटोले ने बताया।

विवाह को परिजनों का विरोध साबित हुआ जानलेवा

प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अकोला, १ जनवरी - जिले के बालापुर तहसील स्थित ग्राम शेळद के एक प्रेमी युगल ने परिवार द्वारा विवाह को लेकर इंकार किये जाने पर आत्मघाती कदम उठाते हुये ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। घटना बीते बुधवार की देर रात की बतायी गयी है।बालापुर तहसील के कसुरा गांव के करीब रेल्वे लाईन पर दोनों प्रेमी युगल का कटा हुआ शव पाया गया। घटना उजागर होते ही पूरे परिसर में हडकंप मच गया था।

प्रेमी युगल का नाम अक्षय खारकर (३२) तथा अक्षदा शेजोडे (२४) बताया गया है। प्राथमिक जांच के बाद यह जानकारी सामनें आयी की दोनों के प्रेम संबंध थे। परंतु दोनों परिवारों की ओर से इस रिश्ते को लेकर विरोध किया जा रहा था। जिसके ***शेष पृष्ठ ८ पर***

भाजपा के समक्ष चुनौतियो का पहाड

मनपा चुनाव की राह नही आसान

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी -मनपा चुनाव में भाजपा ने ८७ सिटो में से ६७ सीटो पर उम्मीदवार खडे किये। भाजपा के समक्ष चुनौतीयो का पहाड खडा है। शिवसेना शिंदे से युती टूटने के बाद हिंदूत्ववादी वोटो का विभाजन, विधायक रवि राणा द्वारा युवा स्वाभिमान के ४१ प्रत्याशी खडे करने की चाल, राकांपा अजित पवार गुट के संजय खोडके की आक्रमक भुमिका जैसे प्रश्न भाजपा के समक्ष है। भाजपा को इस चुनाव में केवल विरोधी कांग्रेस- ठाकरे गुट से ही नही लडना है, बल्की नाराज शिंदे गुट व आक्रमक सहयोगी दल से भी २-२ हाथ करना है।

मनपा चुनाव में भाजपा ने बडे भाई की भुमिका अदा करने की कोशिश की। अंदरूनी कलह अब चुनौतीयो के पहाड निर्माण हूये है। युती टूटने से शिंदे गुट में ७३ सिटो पर उम्मीदवार खडे किये है। भाजपा के हक के हिंदूत्ववादी वोटो में फुट पडेगी। भाजपा ने रवि राणा के युवा स्वाभिमान के लिए ८ सीटो छोडी फीर भी युवा स्वाभिमान ने ४१ सीटो पर उम्मीदवार खडे किये। भाजपा के खिलाफ मैत्रीपूर्ण मुकाबले की दुहाई देकर मतदाताओ में संभ्रम निर्माण किया है। भाजपा में आयात प्रत्याशी के चलते निष्ठावान कार्यकर्ता नाराज है। अंदरूनी बगावत भाजपा के लिए सिरदर्द साबित हो सकती है। युवा स्वाभिमान अपनी स्वतंत्र ताकत दिखाने पर आमादा है। कांग्रेस ने ७४ उम्मीदवार खडे कर ठाकरे गुट को केवल १२ सीटे दी। ठाकरे गुट ने भी अपने स्वतंत्र ३५ उम्मीदवार खडे किये। राकांपा के ८५ उम्मीदवारो के लिए २ विधायको की ताकत है। भाजपा की ***शेष पृष्ठ ८ पर***

५३६ वाहन धारको पर ५ लाख जुर्माना

नववर्ष की पूर्व संध्या पर चला पुलिस का हंटर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, १ जनवरी - प्रतिवर्ष नववर्ष की पूर्व संध्या पर शहर में बडे पैमाने पर जल्लोष का वातावरण नजर आता है। नागरिकों द्वारा अपने घरो में उत्साह से नववर्ष का स्वागत किया जाता है। तो दुसरी ओर शहर के प्रमुख चौराहो तथा मार्गो पर वाहन धारको द्वारा तेज रफ्तार वाहन चलाने के अलावा अनेक वाहन धारको द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन भी किया जाता है। अनेक वाहन धारको द्वारा नववर्ष के आगमन पर ना सिर्फ हुडदंगबाजी की जाती है बिल्क अपने वाहन तेज रफ्तार गती से चलाकर दुर्घटना को आमंत्रण दिया जाता है। ऐसे में अप्रिय घटना की संभावना भी बनी रहती है। इस तरह की वारदातो पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन की ओर से बीते बुधवार की रात १० बजे से देर रात तक कार्रवाई का हंटर चलाया गया। तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन धारको पर कार्रवाई की गयी। तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालो को कार्रवाई का हंटर भी चलाया गया।

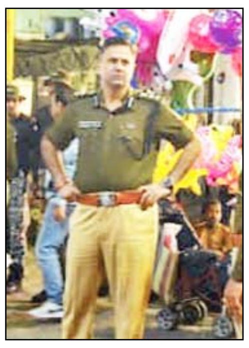

इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले २६ वाहन धारको के खिलाफ कलम १८५ के तहत तेज रफ्तार वाहन चलाने वाले १२ वाहन धारको के खिलाफ कलम ११२ के तहत वाहन चलाते समय मोबाईल पर बात करने वाले १२ वाहन धारको के खिलाफ, ट्रिपल सीट वाहन चलाने वाले १७३ वाहन चालको के खिलाफ, फैन्सी नंबर प्लेट वाले ५३ वाहन धारक तथा अन्य मोटर वाहन कानून का उल्लंघन करने के संदर्भ में ४५४ वाहन धारको के खिलाफ कार्रवाई की गयी। कुल ५३६ वाहन धारको के खिलाफ ३१ दिसंबर की मध्यरात कार्रवाई में ५ लाख ४ हजार ३०० रुपये का जुर्माना किया गया। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस आयुक्त राकेश ओला, डीसीपी रमेश धुमाळ तथा यातायात विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त संजय खताडे के नेतृत्व में तथा निरीक्षक प्रवीण वांगे, ज्योती विल्हेकर, रिता उईके के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गयी।

एक साल में ८ करोड का जुर्माना

यातायात विभाग की ओर से नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी प्रकार के वाहन धारको पर कार्रवाई का हंटर चलाया जाता है। इस वर्ष १ जनवरी से ३१ दिसंबर के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले ८३ हजार ७३७ वाहन धारकों के खिलाफ मोटर वाहन कानून अंतर्गत कार्रवाई करते हुये ८ करोड़ ४३ लाख ९ हजार ८०० रुपये का जुर्माना वसूला गया। वही दुसरी ओर ३७ मामलो में अदालत के आदेश पर वाहन धारको के खिलाफ अपराध दर्ज किये गये।

सेब से लेकर बिस्कीट पर मुहर

मनपा चुनाव में निर्दलीय हेतु १९४ चिन्ह

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - महानगरपालिका के आम चुनाव की पृष्ठभूमि में नामांकन पत्र दायर करने की प्रक्रिया पूर्ण हुई। जांच पडताल पश्चात २ जनवरी तक नामांकन वापस लेने की अवधी है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर राजनीतिक दलों के लिए चुनाव चिन्ह तो निश्चित है। लेकिन इस चुनाव में उतरने वाले निर्दलीय उम्मीदवार के लिए राज्य चुनाव आयोग ने १९४ मुक्त चुनाव चिन्ह उपलब्ध करवाया है। इन चिन्हो में रोजमर्रा के खाद्य पदार्था से लेकर इलेक्ट्रानिक वस्तुओ की विस्तृत श्रृखंला शामिल की ***शेष पृष्ठ ८ पर***

गठबंधन व फ्रंट को प्राथमिकता

मुक्त चिन्हो के आवंटन में गठबंधन या फ्रंट को निर्दलीय उम्मीदवारो की तुलना में प्राथमिकता दी जायेगी। यदि एक ही चिन्ह के लिए एक से अधिक दावेदार सामने आते है तो पारदर्शी तरीके से पर्ची निकालकर फैसला किया जायेगा। गठबंधन को आवंटन के बाद बचे हूए चिन्ह निर्दलीय उम्मीदवारो के उनकी प्राथमिकता के आधार पर दिये जायेगे। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथी २ जनवरी निर्धारीत की है। इसके तुरंत बाद चुनाव चिन्हो के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जायेगी।

पेविंगब्लॉक के चक्कर में मजिप्रा की पाईप लाईन तोडी

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - सरकारी काम में अनेक विघ्न नजर आते है। सरकारी काम करने वाले ठेकेदार हमेशा मनमर्जी का प्रयोग करते है। उनपर नियंत्रण रखने वाले सरकारी अधिकारी व अभियंता अपने केबिन में बैठकर बातो के मिट्ठू उडाते है। काम गुणवत्ता, दर्जा से उन्हे कोई मतलब नही रहता। अपना कमिशन बनता, देवदर्शन को जाये जनता की कहावत को चरितार्थ करते है। इसका आदर्श उदाहरण शंकर नगर से बायपास रोड पर सुदर्शन बिल्डींग के पास देखने को मिल रहा है। पेविंग ब्लॉक के चक्कर मे मजिप्रा की पाईल लाईन तोड दी है। हजारो लिटर पानी फिजुल जाया जा रहा है।

घढाई से ज्यादा मढाई

मजिप्रा की पाईप लाईन सडक के निचे बिछाई जाती है। सडक या पेविंग ब्लॉक का काम करते वक्त अत्यंत सावधानी बरतनी चाहीए। मगर ठेकेदार लापरवाही और मनमर्जी करते है। पेविंग ब्लॉक के चक्कर में मजिप्रा की पाईप लाईन क्षतिग्रस्त की है। पाईप लाईन टूटने से परिसर के सैकडो परीवारो को पेयजल से वंचित रहना पड रहा है। इतनाही नही तो हजारो लिटर पानी बर्बाद हो रहा है। पेयजल की किल्लत रहने से मजिप्रा एक दिन आड जलापूर्ती कर रहा है। मजिप्रा की पाईप लाईन तोडने वाले संबंधित ठेकेदार व निगरानी रखनेवाले अभियंता पर फौजदारी अपराध दर्ज करने की मांग क्षेत्रवासियो द्वारा की जा रही है।

संपादकीय

प्यार नहीं, सत्ता और स्वार्थ का गठजोड़

एक के बाद एक सामने आ रहे कथित हत्याकांड आज समाज के सामने एक असहज सवाल खड़ा कर रहे हैं। क्या हम धीरेधीरे संवेदनहीन होते जा रहे हैं? जब किसी पत्नी पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने का आरोप लगता है चाहे वह सोनम-राजा का मामला हो या गडचिरोली का रेखा-देवानंद प्रकरण तो यह सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रतीक बन जाती है।

यह घटनाएं यह सोचने को मजबूर करती हैं कि रिश्तों की मर्यादा, भरोसा और नैतिक जिम्मेदारी आखिर कहां गुम हो गई है? प्रेम, जो जीवन को संवारने का माध्यम माना जाता था, आज स्वार्थ, सत्ता और सुविधा का औज़ार बनता जा रहा है। जब संबंध बोझ लगने लगें, तो उन्हें तोडने के कानूनी और सामाजिक रास्ते मौजूद हैं। लेकिन उन रास्तों की जगह हत्या को विकल्प बनाना यह दर्शाता है कि समाज में धैर्य, संवाद और सहनशीलता खत्म होती जा रही है।इन मामलों में राजनीति की चुप्पी सबसे अधिक चौंकाने वाली है। सवाल उठता है कि ऐसे मामलों पर न तो तीखी प्रतिक्रियाएं आती हैं, न बड़े आंदोलन होते हैं। कारण साफ है इन अपराधों से न जातिगत लाभ मिलता है, न कोई मजबूत वोट बैंक बनता है। नारी सशक्तिकरण की बात करते समय मौन और परिवार मूल्यों की दुहाई देकर महिला अपराधों पर राजनीति करना यह दोहरा मापदंड नहीं तो और क्या है?जब अपराध सुविधा के हिसाब से देखे जाने लगें, तब न्याय व्यवस्था पर से जनता का भरोसा कमजोर होना स्वाभाविक है। आज भावनाएं विवेक पर भारी पड़ रही हैं। सोशल मीडिया, तात्कालिक आकर्षण और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति ने रिश्तों को बेहद अस्थिर बना दिया है। असहमति को सुलझाने के बजाय साज़िश रची जा रही है, संवाद की जगह षड्यंत्र ले रहे हैं और जवाबदेही से बचने के लिए हत्या जैसे जघन्य रास्ते अपनाए जा रहे हैं।

यह केवल किसी एक व्यक्ति की गलती नहीं है। यह उस समाज की हार है, जिसने रिश्तों में सहनशीलता सिखाना बंद कर दिया; उस व्यवस्था की हार है, जिसने मानसिक स्वास्थ्य और परामर्श को गंभीरता से नहीं लिया; और उस राज्य की भी हार है, जो समय रहते चेतावनी संकेतों को अनदेखा करता रहा। अगर आज समाज ने इन घटनाओं पर सवाल नहीं उठाए, तो कल हर असहमति का अंत साज़िश में होगा। आज पति-पत्नी, कल भाई-बहन, फिर मित्र जब रिश्तों में कानून और नैतिकता की जगह हिंसा ले लेगी, तो कोई भी सुरक्षित नहीं रहेगा। अब जरुरत है अपराध को किसी भी आवरण में सही ठहराने से इनकार करने की। रिश्तों में संवाद और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की और राजनीति व प्रशासन से जवाबदेही तय करने की। जो रिश्ता किसी की जान लेने तक पहुंच जाए, वह प्रेम नहीं वह सत्ता, स्वार्थ और डर का गठजोड़ है। समाज को यह तय करना होगा कि वह चुप रहकर अगली घटना का इंतज़ार करेगा या आज ही सवाल उठाकर भविष्य को बचाने की कोशिश करेगा।

एक जनवरी बनाम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा

कालबोध का द्वंद्व या एक सांस्कृतिक धर्मयुद्ध

किसी भी जीवंत राष्ट्र के लिए नववर्ष उसकी सामूहिक चेतना, उसकी जीवनदृष्टि और प्रकृति के साथ उसके तादात्म्य का उद्घोष होता है। भारतवर्ष में कालबोध कभी भी यांत्रिक नहीं रहा। यह सदैव ब्रह्मंडीय, प्राकृतिक और आध्यात्मिक रहा है किंतु, वर्तमान कालखंड की विडंबना यह है कि भारतीय समाज अपने सनातन कालबोध से विमुख होकर एक जनवरी को नववर्ष के रूप में अंगीकार कर बैठा है, जबकि सृष्टि के नवसृजन का पर्व चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विस्मृति के गर्त में धकेला जा रहा है। यह मात्र दो तिथियों का संघर्ष नहीं, अपितु स्वबोध और परानुकरण के मध्य छिड़ा एक सांस्कृतिक धर्मयुद्ध है।

एक जनवरी : औपनिवेशिक दासता और परकीय कालबोध

एक जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है, जिसका मूल पूर्णतः पाश्चात्य है। भौगोलिक और प्राकृतिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत में एक जनवरी के समय प्रकृति सुप्त अवस्था में होती है। कड़ाके की ठंड, कोहरा और जड़ता का वातावरण होता है। न तो ऋतु में कोई परिवर्तन होता है, न ही वृक्षवनस्पतियों में कोई नया जीवन स्पंदित होता है। इस तिथि का भारतीय कृषि, नक्षत्रविज्ञान या आध्यात्मिक परंपरा से कोई भी तार्किक संबंध नहीं है। यह औपनिवेशिक शासन की देन है, जिसे प्रशासनिक सुविधा के लिए हम पर थोपा गया था। स्वतंत्रता के दशकों पश्चात भी इस तिथि को नववर्ष मानना हमारी मानसिक पराधीनता का प्रमाण है। आज यह दिवस दिशाहीन उल्लास और मदिरापान जैसे उन्मुक्त भोग का पर्याय बन गया है। इसमें न तो आत्मचिंतन का अवकाश है और न ही नूतन संकल्प लेने की प्रेरणा। यह केवल हमारी सांस्कृतिक जड़ों को खोखला कर रहा है।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदाः सृष्टि के नवयौवन का पर्व

भारतीय कालगणना में नववर्ष का आगमन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है। यह वह समय है जब प्रकृति स्वयं अपना श्रृंगार करती है। वसंत ऋतु अपने यौवन पर होती है, वृक्षों से जीर्णशीर्ण पत्ते गिर जाते हैं और उनमें नई कोंपलें (नवांकुर) फूटती हैं। खेतों में फसल पककर तैयार होती है, जो किसान के श्रम की सार्थकता का प्रतीक है।

शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का सृजन किया था। यही वह दिन है जब विक्रम संवत का आरंभ होता है, जो भारत के सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य और विजय का प्रतीक है। यह पर्व वैज्ञानिक और खगोलीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समय सूर्य और चंद्रमा की स्थिति में विशेष परिवर्तन होता है, जो मानव शरीर और मन में नई ऊर्जा का संचार करता है। कश्मीर में नवरेह, दक्षिण में उगादी, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा और सिंध में चेटीचंड के रूप में यह पर्व संपूर्ण भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोता है।

विस्मृति का संकटः स्वधर्म का लोप

यह संघर्ष केवल दिन या वर्ष बदलने का नहीं, अपितु चेतना बदलने का है। जब कोई राष्ट्र अपने पर्व, अपने महापुरुष और अपनी कालगणना को भूलकर दूसरों के मापदंडों को श्रेष्ठ मानने लगता है, तो वह धीरेधीरे अपनी आत्मा खो देता है। एक जनवरी को नववर्ष मानना, अनजाने में ही सही, यह स्वीकार करना है कि हमारी अपनी वैज्ञानिक और प्राकृतिक परंपराएं हीन हैं। यह सांस्कृतिक विस्मृति एक गंभीर संकट है। नई पीढ़ी को यदि यह ज्ञात ही नहीं होगा कि उसका वास्तविक नववर्ष कब और क्यों मनाया जाता है, तो वह अपनी जड़ों से कटकर एक ऐसे वृक्ष की भांति हो जाएगी जो तनिक भी आंधी

(वैचारिक आक्रमण) आने पर धराशायी हो सकता है।

चेतना के धर्मयुद्ध का आहवान

आज जिस सांस्कृतिक धर्मयुद्ध की बात हो रही है, वह अस्त्रशस्त्र का युद्ध नहीं है। यह युद्ध स्मृति और विस्मृति के बीच है। यह संघर्ष स्वबोध और आत्मविस्मरण के बीच है। आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम एक जनवरी का हिंसक विरोध करें, अपितु आवश्यकता इस बात की है कि हम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को उसका खोया हुआ गौरव लौटाएं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा नववर्ष केवल कैलेंडर की तारीख न होकर, जीवन के नवनिर्माण का संकल्प बने। हमें परकीय कालबोध के अंधानुकरण से मुक्त होकर अपनी सनातन सांस्कृतिक चेतना का संवाहक बनना होगा। जिस दिन भारत का जनमानस चैत्र प्रतिपदा को उसी उत्साह और गौरव के साथ मनाएगा, उसी दिन इस सांस्कृतिक धर्मयुद्ध में हमारी वास्तविक विजय होगी। यह समय आत्मचिंतन और प्रत्यावर्तन (वापसी) का है।

पवन वर्मा
विनायक फीचर्स

लातूर में बिखर गया महायुति, बीजेपी अकेले लड़ेगी नगर निगम का चुनाव

लातुर, १ जनवरी- महाराष्ट्र के लातूर में बीजेपी और एनसीपी के बीच होने वाला महायुति गठबंधन १५ जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव से ठीक पहले टूट गया है। बीजेपी के लातूर चुनाव प्रभारी और विधायक संभाजीराव पाटिल निलंगेकर ने मंगलवार को नामांकन के आखिरी दिन ऐलान किया कि पार्टी अब सभी ७० सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी। बीजेपी ने एनसीपी के साथ गठबंधन बनाने के लिए कोशिशें की थीं। जिले के सीनियर एनसीपी नेताओं की इच्छा के बावजूद निचले स्तर के पदाधिकारियों के हस्तक्षेप के कारण यह गठबंधन नहीं हो पाया। संभाजीराव पाटिल निलंगेकर ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि बीजेपी और एनसीपी के बीच बातचीत सकारात्मक दिशा में थी। उन्होंने दावा किया कि एनसीपी के जिला लेवल के सीनियर नेता साथ आने को तैयार थे। हालांकि, दूसरे और तीसरे दर्जे के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इस प्रक्रिया में अड़ंगे डाले। इसी जमीनी हस्तक्षेप की वजह से गठबंधन का रास्ता बंद हो गया। निलंगेकर ने साफ किया कि बीजेपी अब किसी अन्य दल के भरोसे रहने के बजाय अपनी ताकत पर चुनावी मैदान में उतरेगी। आखिरी दिन होने की वजह से बीजेपी ने अपनी रणनीति साफ कर दी। लातूर नगर निगम की सभी ७० सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार स्वतंत्र रूप से मुकाबला करेंगे। बीजेपी अब अकेले दम पर जनता के बीच जाएगी और अपना चुनावी अभियान तेज करेगी।

अनंत आशाओं और अपार संभावनाओं का साल २०२६

समय जब एक वर्ष की देह त्यागकर अगले वर्ष में प्रवेश करता है, तब वह केवल तारीखों का परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मानव चेतना में नई आकांक्षाओं, नए संकल्पों और नई दिशाओं का जन्म भी होता है। वर्ष २०२६ इसी दृष्टि से संभावनाओं का वर्ष कहा जा सकता है। यह वर्ष केवल आगे बढने का संकेत नहीं देता, बल्कि ठहरकर सोचने, दिशा बदलने और आत्मविश्वास के साथ नए मार्ग चुनने का अवसर भी प्रदान करता है।

२०२६ का स्वरुप उन लोगों के लिए विशेष होगा जो अब तक परिस्थितियों के बहाव में चलते रहे हैं। यह वर्ष आत्मनिर्णय का संदेश लेकर आता है। जीवन के अनेक क्षेत्रों में ऐसे मोड़ आएंगे जहां व्यक्ति को स्वयं निर्णय लेना होगा, चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो, संबंध हों या सामाजिक दायित्व। यह वर्ष यह सिखाएगा कि संभावनाएं बाहर नहीं, भीतर जन्म लेती हैं।

आर्थिक दृष्टि से २०२६ स्थिरता के साथ नए प्रयोगों का वर्ष बन सकता है। जो लोग लंबे समय से किसी नई योजना, व्यवसाय या रचनात्मक कार्य को आरंभ करने की सोच रहे थे, उनके लिए यह समय साहस जुटाने का होगा। जोखिम रहेगा, लेकिन विवेक के साथ उठाया गया कदम आगे चलकर मजबूत आधार बन सकता है। यह वर्ष जल्दबाजी से अधिक दूरदर्शिता की मांग करेगा।

शिक्षा और बौद्धिक विकास के क्षेत्र में २०२६ विशेष संभावनाएं लेकर आएगा। नई तकनीकों, नए अध्ययन क्षेत्रों और वैकल्पिक शिक्षण पद्धतियों की ओर झुकाव बढ़ेगा। विद्यार्थी केवल डिग्री तक सीमित न रहकर कौशल, अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान को महत्व देने लगेंगे। यह वर्ष सीखने की भूख को जागृत करेगा।

सामाजिक स्तर पर २०२६ संवाद और सहभागिता का वर्ष सिद्ध हो सकता है। लोग केवल अपनी बात रखने के बजाय दूसरों को सुनने की प्रवृत्ति विकसित करेंगे। छोटे स्तर पर किए गए प्रयास भी बड़े सामाजिक परिवर्तन की भूमिका निभा सकते हैं। यह वर्ष यह समझाने आएगा कि परिवर्तन किसी एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना से जन्म लेता है।

व्यक्तिगत जीवन में २०२६ आत्मविश्लेषण का संकेत देता है।

रिश्तों में स्पष्टता, ईमानदारी और संतुलन की आवश्यकता बढ़ेगी। जो संबंध केवल आदत के कारण चल रहे हैं, वे या तो नए रूप में ढलेंगे या स्वयं छूट जाएंगे। यह प्रक्रिया पीड़ादायक हो सकती है, लेकिन अंततः आत्मिक हल्केपन की ओर ले जाएगी।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में २०२६ सजगता की मांग करेगा। लोग उपचार से अधिक जीवनशैली पर ध्यान देंगे। मानसिक स्वास्थ्य, दिनचर्या, भोजन और प्रकृति से जुड़ाव का महत्व बढ़ेगा। यह वर्ष यह सिखाएगा कि स्वस्थ रहना केवल बीमारी से मुक्त होना नहीं, बल्कि संतुलित जीवन जीना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि २०२६ उम्मीद का वर्ष है, लेकिन अंधी उम्मीद का नहीं। यह कर्म, चेतना और निरंतर प्रयास की उम्मीद है। यह वर्ष अवसर देगा, परंतु उन्हें पहचानना और अपनाना व्यक्ति के विवेक पर निर्भर करेगा।

संभावनाओं का साल २०२६ उन लोगों के लिए स्मरणीय होगा जो डर के बजाय विश्वास चुनेंगे, टालने के बजाय आरंभ करेंगे और शिकायत के बजाय समाधान खोजेंगे। यह वर्ष भविष्य का वादा नहीं करता, बल्कि वर्तमान को जागरूक होकर जीने का निमंत्रण देता है। यही इसकी सबसे बड़ी संभावना है।

विजय कुमार शर्मा
विभूति फीचर्स

कल का राशिफल

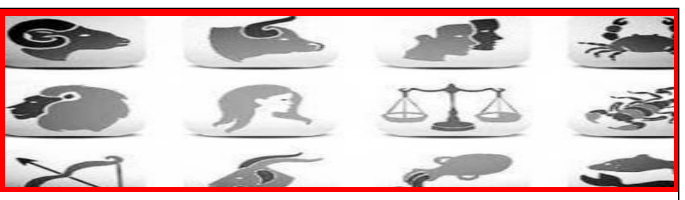

मेष- आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर कलीग आपसे कुछ नया सीखेंगे। आप लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे इससे आपको गर्व महसूस होगा। किसी गरीब की सहायता करने से मन को सुकून मिलेगा।

वृषभ- व्यापार में अच्छा लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार अपने घरवालों के साथ करेंगे। आपको परिवारवालों का पूरा सहयोग मिलने से कोई बड़ी समस्या का समाधान कर लेंगे।

मिथुन- आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे, उस काम की शुरुआत आज से कर सकते हैं। जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। जो लोग आपके विरोधी थे वो लोग भी आज आपसे दोस्ती का हाँथ बढ़ा सकते हैं।

कर्क- आज आपका दिन मिलीजुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। शुरुआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होतेहोते किसी काम में रुकावट भी आ सकती है। कोई भी जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरूर ले लें।

सिंह - जो छात्र विदेश में हॉयर एजुकेशन के लिये जाना चाहते हैं, वो किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं। आज रुपए पैसों की लेनदेन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरूरत है। किसी को पैसे उधार देने से पहले अच्छे से जांच पड़ताल कर लें। बदलते मौसम में ध्यान रखने की जरूरत है।

कन्या- आप आपके कार्य जरूर सफल रहेंगे। जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिए वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है। कन्या के लिए आपको सुयोग्य वर मिलने के योग हैं। कोर्टकचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है।

तुला- किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। आने वाले समय में वह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुडे हैं, उनके लिए दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस से जुड़े लोगों को कुछ बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं।

वृश्चिक- आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे। अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें। किसी के साथ पार्टनर शिप के लिए दिन अच्छा रहेगा। नौकरी पेशा महिलाओं के लिए भी दिन बढिय़ा रहेगा।

धनु- आपके मन में नएनए विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिए दिन बहुतसी तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है। जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा।

मकर- किसी सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरूरत है। किसी भी तरह की लापरवाही आपको नुकसान पंहुचा सकती है। जो लोग थोक विकेता है, उनको आज विशेष लाभ होगा।

कुंभ - घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ़ होगी, हर कोई आपके अच्छे व्यवहार से प्रभावित होगा। समाज से जुड़े कार्यो को करने के लिये दिन उत्तम है। आप किसी एनजीओ की शुरुआत या किसी सामजिक संगठन से जुड़ सकते हैं।

मीन- कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज प्रसिद्धि मिलेगी। आपको किसी बड़े ग्रुप से जुडऩे का मौका मिलेगा। ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ गुजार सकते हैं। आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लॉन भी बना सकते हैं।

अतीत, वर्तमान और भविष्य के मध्य नूतन वर्ष

दृष्टिकोण

समय चक्र का गठबंधन
प्रगाढ़ हुआ जाता है
अबाध गति से पेंग बढ़ाता
नूतन वर्ष आता है
आओ विचारें अतीत में
क्या खोया क्या पाया
यथार्थमयी चिंतन हेतु ही
नूतन वर्ष है आया
आओ रचे नवगीत
बुनें नित श्रृंगारिक सपने
आज संजोएं मृदु भाव
सुमन जीवन में अपने।

निसंदेह गतिशील जीवन में कोई समय ऐसा अवश्य आता है, कि जब व्यक्ति अपने जीवन में अपनी उपलब्धियों का आकलन करता है, कि अतीत,वर्तमान और भविष्य के मध्य वह कहां खडा है। जिंदगी में धड़कनों की महत्ता को समझते हुए जिंदगी में सदा मीठी बातें करो, कड़वी बातों में जीना है किस काम का, प्रवचन सुनने में अच्छा लगता है, मगर क्या आज के दौर में ऐसा संभव है। सर्वविदित है कि समय गति का परिचायक है, परिवर्तन का परिचायक है। जिसने भी घड़ी का आविष्कार किया होगा, उसका उद्देश्य यही रहा होगा, कि लोग समय के साथ समायोजन करने में समर्थ हों। सेकेंड से मिनिट और मिनिट से घंटों की अवधि तय करते हुए दिन, सप्ताह, महीने साल का सफर नए वर्ष में कब परिवर्तित हो जाता है और कब नया वर्ष बीते साल में बदलकर अतीत बन जाता है, इसका पता किसी समृद्ध व्यक्ति को नहीं चलता, अलबत्ता धन और सुविधाओं के अभाव वाले व्यक्ति को अवश्य ही समय का ज्ञान रहता है, कि जिसे आंख खुलते ही अपना पेट भरने के लिए भटकना पड़ता है। वह अपने आप को बार बार अच्छे दिन आने की दिलासा देकर समझाता रहता है, कि सब्र कर, अपने भी अच्छे दिन आएंगे।

एक समय था कि जब हैप्पी न्यू ईयर का बड़ा केज हुआ करता था, विदेशों से नए साल का जश्न मनाएं जाने की शुरुआत होती थी, आतिशबाजी के अलग नज़ारे हुए करते थे, भारत तक आते आते न्यू ईयर का केज कुछ कम हो जाया करता था। उस दौर में हर जेब में मोबाइल अपना स्थान नहीं बना पाया था। चिट्ठी पत्री का दौर था। बाजार में ग्रीटिंग कार्ड से दुकानें सज जाया करती थी। विशिष्ट संदेश लिखे ग्रीटिंग कार्ड आकर्षण का केंद्र हुआ करते थे। संदेशों का आदान प्रदान डाकघरों के माध्यम से हुआ करता था। पोस्टमैन की भूमिका सर्वाधिक हुआ करती थी। घर परिवारों में पोस्टमैन की प्रतीक्षा अधिक की जाती थी। पोस्टमैन को देखते ही परिवारों में विशेष संदेश की उम्मीद जाग जाया करती थी। नया वर्ष अब भी आता है, मगर कुछ नयापन का एहसास नहीं कराता। रोज की तरह भोर का सूरज नए दिन की घोषणा करता है और धीरे धीरे पुराने ढर्रे पर जिंदगी चल पड़ती है।

जिंदगी में नयेपन की तलाश चलती रहती है। जिसे देखो, वही बीती ताहि बिसारि के आगे की सुधि लेना चाहता है, मगर आगे की सुधि तो तभी अच्छी तरह से ली जा सकती है, जब पिछले दायित्वों को पूर्ण किया जा चुका हो। ऐसा अक्सर नहीं होता। यह कहने भर तक ही सीमित रहता है कि छोड़ों कल की बातें, कल की बात पुरानी, नए दौर में लिखेंगे, सब मिलकर नई कहानी, हम हिंदुस्तानी। हम हिंदुस्तानी तो हैं, मगर क्या हम कल की बातें छोड़ने के लिए तैयार हैं ? सवाल यह भी है। नया साल तो हर बरस आता है, यह कुम्भ का मेला नहीं, जो बारह बरस के अंतराल में एक बार आए। इसे आना ही है। सवाल यह है कि क्या हम नयेपन के लिए उन सभी पूर्वाग्रहों को त्यागने के लिए तैयार हैं, जिनके अंतर्गत हम रंगभेद, जाति भेद, किसी धर्म के आस्था भेद के भेदभाव से मुक्त होकर मानवता के सुर में सुर मिलाने के लिए तैयार हों ?

इक्कीसवीं सदी अपनी शतकीय पारी के छब्बीसवें पायदान पर कदम रख रही है और हम आज भी ऐसे संकीर्ण पिछड़ेपन में जी रहे हैं, जिसमें उद्दात्त विचारों का अभाव है। आदमी भूख से अधिक खाने की फिराक में लगा है। अपनी थाली पर उसकी नजर नहीं है। वह औरों की थाली पर बुरी नजर ग़डाए हुए है। गरीबों, दलितों, वंचितों के नाम की माला जपते हुए लोग अपनी और अपने परिवारों की समृद्धि व सम्पन्नता की राजधानी बनाने में जुटे हैं। बेघर के आदमी को मुफ्त में घर और भूखे को मुफ्त की रोटी का सपना दिखाने वाले मदारी डुगडुगी बजा रहे है। साथ में शोर मचा रहे हैं काग़ज कलम दवात ला, लिख दूं घर तेरे नाम सनम।

बीता वर्ष देश में अनेक जघन्य अपराधों का तोहफा देकर गया। पति पत्नी और वो के मध्य छीजते विश्वास का कत्ल कर गया। कहीं नीला ड्रम एक निरीह पति की लाश के टुकड़ों से भरा गया, तो कहीं पति की हत्या के उपरांत उसकी मौत को सर्प दंश से हुई मौत दर्शाने का प्रयास किया गया। निसंदेह बीता वर्ष समाज में होने वाले भयावह बदलाव का साक्षी बना। नववर्ष २०२६ हमारे सम्मुख है। यह कामना करनी चाहिए,कि नया वर्ष सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सराहनीय भूमिका का निर्वाह करेगा।

डॉ. सुधाकर आशावादी
विनायक फीचर्स

विदर्भ की दहाड
यह पत्र मुद्रक, प्रकाशक, मालक एवं संपादक सुनिल माधनमल सचदेव द्वारा प्रतिक प्रिंटर्स, रॉयली प्लाट अमरावती ४४४६०१ (महाराष्ट्र) यहां से छपवाकर कार्यालय चौबड प्लाट, अंबाडेकर वाडा, नंदा मार्केट के सामने, राजापेठ, अमरावती, ४४४६०६ (महाराष्ट्र) यहां से प्रकाशित किया। इस पत्र में प्रकाशित होनेवाले विभिन्न लेख, पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों आदि के विचारों या तथ्यों पर आधारित होते है। इन लेखकों के विचारों अथवा तथ्यों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। सभी विवाद अमरावती न्यायालय अंतर्गत। मो.९४२२६६६८२७,
Postal Rg. No. AMT/RNP/446/2023-25 RNI No. : MAHHIN/2015/67955 (HARD COPY-B/W, PDF- COLOUR)

जश्न से पहले मातम, मामूली विवाद में खूनी खेल

युवक की मौके पर ही मौत

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अकोला, १ जनवरी- नए साल के स्वागत की तैयारियों में डूबे अकोला शहर से एक रुह कंपा देने वाली खबर सामने आई है। सिविल लाइन थाना अंतर्गत आने वाले कृषि नगर लेबर कॉलोनी परिसर में नए साल की पूर्व संध्या पर दो गुटों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। इस हिंसक झड़प में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिससे पूरे परिसर में सनसनी और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की शिनाख्त संतोष घावडे के रुप में हुई है, जबकि हत्या का संदेह राम गिरिराम नामक व्यक्ति पर जताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच किसी बात को लेकर अचानक कहासुनी शुरु हुई थी, जिसने देखते ही देखते उग्र रूप धारण कर लिया। इसी बीच आरोपी ने संतोष पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसके घाव इतने गहरे थे कि उसकी घटनास्थल पर ही सांसें थम गईं। चीखपुकार सुनकर जब तक स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे, तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुका था।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन पुलिस की टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा पूरा किया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही चश्मदीदों से पूछताछ कर रही है ताकि हत्या की असली वजह स्पष्ट हो सके। आरोपी की धरपकड़ के लिए पुलिस की टीमें अलगअलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। इस घटना ने नए साल के जश्न के उत्साह के बीच सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं और क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

मतदान जनजागृती हेतु रील प्रतियोगिता का आयोजन

लोकशाही प्रक्रिया में सहभागी होने का आवाहन

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, १ जनवरी - मनपा तथा राज्य चुनाव आयोग के मार्गदर्शन अनुसार नागरिकों में वोटिंग के संदर्भ में व्यापक जनजागृती निर्माण करने के उद्देश्य से मतदान जनजागृती रील प्रतियोगिता आयोजित की गयी है। लोकशाही और अधिक मजबूत हो मतदाता निर्भयता से अपने मतदान अधिकार का उपयोग करें। उसी तरह विशेषतौर पर युवाओं में मतदान के संदर्भ में सकारात्मक दृष्टीकोण निर्माण हो इस उद्देश्य से यह अभिनव उपक्रम चलाया जायेंगा।

रील प्रतियोगिता १ से ३१ जनवरी के दौरान आयोजित की जायेंगी। शहर के सभी नागरिक इस प्रतियोगिता में सहभागी हो सकेंगे। प्रतियोगिता का विषय सिर्फ मतदान जनजागृती रहेंगा। किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप चुनाव चिन्ह, प्रत्याशी अथवा प्रचारात्मक विषय का उपयोग पर कडी मनाई की गयी है। प्रतियोगिता में सहभागी होने वाले नागरिकों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रील पूर्णतः मौलिक होना अनिवार्य है। इससे पहले सोशल मीडिया पर प्रचार किये गये अथवा अन्य की ओर से कापी की गयी रील प्रतियोगिता के लिये गलत मानी जायेंगी। शर्तो का उल्लंघन होने पर संबंधित सहभागी को किसी भी प्रकार की पूर्व सुचना ना देते हुये रदद् किया जायेंगा। रील में वोटिंग का महत्व, नागरिकों का सहभाग तथा लोकशाही का संदेश स्पष्ट रुप से नजर आना आवश्यक है। विजेताओं की घोषणा प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद मनपा के अधिकृत सोशल मीडिया पेज पर की जायेंगी। प्रथम विजेता को १० हजार, व्दितीय विजेता को ७ हजार, तृतीय विजेता को ५ हजार का नकद इनाम दिया जायेंगा। इस उपक्रम के माध्यम से नागरिकों को तुम्हारा वोट तुम्हारा भविष्य इस संदेश से जोडने का प्रयास किया गया है।

अंबादेवी संस्थान को चिखलदरा में पर्यटन महामंडल की तीन एकड़ जगह

संवाददाता, विदर्भ की दहाड़

चिखलदरा, १ जनवरी - जिले के चिखलदरा स्थित अंबादेवी संस्थान को महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल की ३ एकड़ ८ आर जमीन देने दिये जाने को लेकर मंत्रीमंडल की बैठक में मान्यता दी गयी। बैठक के अध्यक्ष स्थान पर देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिती रही। चिखलदार स्थित लगभग साढ़े सात एकड़ जमीन १९७५ में महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल को पर्यटन हेतु मुलभूत सुविधा उपलब्ध करने के लिये दी गयी थी। यह जगह बगैर उपयोग के खाली पडी थी। चिखलदार में देवी पॉईंट तथा विराट देवी धार्मिक स्थल के व्यवस्थापन की जवाबदारी अमरावती के अंबादेवी संस्थान में इन दोनों धार्मिक स्थलों के विकास हेतु सरकार से जगह की मांग की थी। जिसके मुताबिक पर्यटन विकास महामंडल को लगभग ३ एकड़ ८ आर जमीन सरकार से लेकर अंबादेवी संस्था को निशुल्क उपलब्ध की जायेंगी। यह जमीन मंदिर संस्थान को उपयोग वर्ग २ के रुप में उपलब्ध होंगी। जमीन केवल धार्मिक कार्यक्रमों के लिये ही उपयोग में लाई जा सकेंगी।

इलेक्शन नहीं, रिलेशन का ख्याल रखें, सलमान खान एटीएस की पोस्ट बनी चर्चा का विषय

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- महानगर पालिका चुनाव अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। शहर में हर ओर चुनावी हलचल, रैलियां, और प्रचार का माहौल देखने को मिल रहा है। ऐसे में कई नेता, कार्यकर्ता और राजकीय चेहरे पार्टी बदलते हुए या पक्ष अपक्ष के रुप में मैदान में उतरते नजर आ रहे हैं।

कल हुए एबी फार्म वितरण के बाद कई पार्टी कार्यालयों से नाराज़ कार्यकर्ताओं द्वारा धांधलियों के आरोप भी सामने आए, जिनकी चर्चा अखबारों और सोशल मीडिया में तेज़ी से फैल रही है। इसी बीच, युवा सामाजिक कार्यकर्ता सलमान खान एटीएस की एक फेसबुक पोस्ट ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस पोस्ट में भावनात्मक शब्दों में लिखा गया है इलेक्शन का नहीं, रिलेशन का ख्याल रखें। मनपा चुनाव २०२५-२६ यह एक साधारण सी लाइन लग सकती है, लेकिन आज के माहौल में इसका संदेश बेहद गहरा है।

यह पोस्ट शहर के कई व्हाट्सएप ग्रुप्स में शेयर की जा रही है और लोग इसे भावनात्मक रुप से सराह रहे हैं। मनपा चुनाव, जिसे आम बोलचाल में गली और नाली का चुनाव भी कहा जाता है, इस चुनाव में अक्सर एक ही खानदान से, एक गली या ग्रुप के कई सदस्य उम्मीदवार बन जाते हैं। ऐसे में आपसी टकराव और रिश्तों में खटास आना आम बात हो जाती है।

लेकिन सलमान खान एटीएस का यह संदेश लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहा है। चुनाव १५ जनवरी को खत्म हो जाएंगे, १६ को मतमोजणी होगी। कोई जीतेगा, कोई हारेगा पर रिश्ते कायम रहने चाहिए। वास्तव में, यह भावना सामाजिक सौहार्द की मिसाल है। चुनाव आतेजाते रहेंगे, लेकिन रिश्ते और आपसी सम्मान हमेशा बने रहने चाहिए।

सलमान खान एटीएस ने इसी संदेश के साथ जनता से अपील की है कि इलेक्शन में अपने आपसी रिलेशन खराब न करें, क्योंकि चुनाव बीत जाते हैं, लेकिन रिश्ते जीवनभर साथ रहते हैं।

तहसील स्तरीय खेल महोत्सव प्रतियोगिता

संवाददाता, विदर्भ की दहाड़

चांदूर बाजार, १ जनवरी - तहसील स्तरीय खेल महोत्सव प्रतियोगिता में जिला परिषद पूर्व माध्यमिक उर्दु हायस्कुल शिरजगांव कस्बा स्कूल की टीम ने पहले दिन शानदार कार्यशैली का प्रदर्शन करते खेल प्रेमियों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। वॉलिबॉल प्रतियोगिता में शिरजगांव कस्बा उर्दु स्कूल की टीम ने प्रतियोगिता में बाजी मारते हुये विजेता पद हासिल किया। खो-खो प्रतियोगिता में भी टीम ने फायनल में जीत हासिल कर टॉफी पर अपना नाम दर्ज कराया। खो-खो टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुये अंतिम फेरी में प्रवेश किया। उसी तरह कबड्डी तथा टेनिकाईट इन दोनो प्रतियोगिता में स्कूल की टीम ने फायनल में स्थान हासिल किया। खेल प्रतियोगिता के साथ ही स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ती गीत प्रस्तुत किया। भावपूर्ण नृत्य निर्देशन उपस्थितों का मन जीत लिया। इस विशेष प्रस्तुतीकरण को लेकर दर्शको ने विशेष सराहना की। इस सफलाता को लेकर सभी विजयी टीम ने शिरजगांव कस्बा केंद्र के केंद्र प्रमुख कु-हाडे, मुख्याध्यापक झाकिर अहमद सभी शिक्षकवृंद तथा स्कूल व्यवस्थापन समिती ने अभिनंदन किया है।

विज्ञान प्रदर्शनी में शिक्षक गुट से इंगोले ने बाजी मारी

संवाददाता, विदर्भ की दहाड़

चांदूर रेल्वे, १ जनवरी - शिक्षा विभाग जिला परिषद, जिला विज्ञान अध्यापक मंडल, जिला मुख्याध्यापक टीम तथा स्व. माणिकलाल गांधी जागृत विद्यालय वरुड के संयुक्त तत्वावधान में २९ से ३१ दिसंबर के दौरान जागृत विद्यालय में ५३ वा जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इस प्रदर्शनी में वनिता समाज द्वारा संचालित सरस्वती प्राथमिक स्कूल के सहायक शिक्षक निलेश इंगोले ने प्राथमिक शिक्षक गुट में सहभागी होकर मनोरंजन से विज्ञान इस विषय पर आधारित शैक्षणिक साहित्य का मॉडल बनाया था। उनकी कल्पना से बनाये शैक्षणिक साहित्य को शिक्षकों के प्राथमिक गुट से प्रथम क्रमांक प्राप्त हुआ। अब राज्य स्तर पर होने वाले विज्ञान प्रदर्शनी में निलेश इंगोले अपने जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। निलेश इंगोले के सफलता को लेकर उनका सर्वत्र सराहना तथा अभिनंदन किया जा रहा है। अपने सफलता का श्रेय निलेश ने संस्था अध्यक्ष लता देशमुख, मुख्याध्यापिका अनिता पाटील उसी तरह वरिष्ठ शिक्षक जया देशमुख तथा अपने सभी सहयोगी शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी वर्ग को दिया है।

५१४ मनपा कर्मियों को कारण बताओं नोटिस

प्रशिक्षण दौरान अनुपस्थित का मामला

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, १ जनवरी - मनपा क्षेत्र में चुनाव प्रक्रिया निमित्य नियुक्त किये गये अधिकारी व कर्मचारियों में से ५१४ कर्मचारी अनुपस्थित रहने पर उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किये गये है।चुनाव प्रक्रिया पारदर्शक नियमानुसार तथा कानून के दायरे में संपन्न हो इस हेतु प्रशासन कटिबध्द है। अपने काम में कोताही बरतने वालो पर कडी कार्रवाई की जायेंगी, ऐसी स्पष्ट भूमिका निगमायुक्त ने ली है। प्रशिक्षण व्यवस्था हेतु मनपा के कुल ९०३ तथा ३ हजार ६०० अधिकारी कर्मचारी नियुक्त किये गये है। चुनाव प्रशिक्षण सत्र में अनुपस्थित रहना अथवा प्रत्यक्ष चुनाव के दौरान अनुपस्थिती यह गंभीर बात है। इस प्रकार बेजवाबदारी के चलते चुनाव व्यवस्था पर परिणाम हो सकता है। जिसके चलते संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस दी गयी है। समाधानकारक जवाब ना मिलने पर अनुशासन भंग की कार्रवाई, विभागीय जांच तथा नियमानुसार कार्रवाई की जायेंगी। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि चुनाव कर्तव्य यह कानूनी तथा अनिवार्य है। इसमें लापरवाही सहन नही की जायेंगी।

सभी अधिकारी व कर्मचारी प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहकर अपनी जवाबदारी निभाये, अन्यथा कठोर परिणामों का सामना करना पडेगा ऐसी चेतावनी भी दी गयी है।

मेरा युवा भारत की ओर से तहसील स्तरीय खेल प्रतियोगिता

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, १ जनवरी - मेरा युवा भारत तथा नांदगांव खंडेश्वर जन स्वराज्य बहुउद्देशिय संस्था की ओर से नांदगांव खंडेश्वर में विविध खेल प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर स्वराज्य बहुउद्देशिय संस्था के अध्यक्ष भूपेंद्र जेवडे तहसील वकील संघ उपाध्यक्ष मोहन जाधव, शितल काळे आदि उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, सौ मीटर की दौड, गोलाफेक इन प्रतियोगिताओं में विजेता टीम को प्रथम, व्दितीय, तृतीय तथा व्यक्तिगत खिलाडियों को प्रथम, व्दितीय, तृतीय क्रमांक बक्षिस के रुप में मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम विभाग तथा खेल मंत्रालय भारत सरकार की ट्राफी व प्रमाणपत्र दिया गया। उपरोक्त प्रतियोगता मेरा युवा भारत के जिला युवा अधिकारी स्नेहल बासुतकर के मार्गदर्शन में भुपेंद्र जेवडे ने आयोजित किया। प्रतियोगिता के जन स्वराज्य बहुउद्देशिय संस्था के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने अथक परिश्रम किया।

सुरक्षित अन्न विशेष जांच मुहिम प्रारंभ

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

अमरावती, १ जनवरी - नये वर्ष की पार्श्वभूमी पर नागरिकों को स्वच्छ तथा मिलावट से मुक्त अनाज मिले इस हेतु अन्न व औषध प्रशासन विभाग की ओर से जिले में नववर्ष प्रण के रुप में सुरक्षित अन्न विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। विशेष अभियान २४ दिसंबर से प्रारंभ किया गया है। जो १० जनवरी २०२६ तक चलाया जायेंगा। मुहिम अंतर्गत जिले के हॉटेल, उपहारगृह, कॉफी हाउस, रिसोर्ड आदि स्थानों की कडाई से जांच की जायेंगी। साथ ही संबंधित दुकान संचालको के लिये सुरक्षित अन्न के संदर्भ में सुविधा तथा नियमानुसार सभा व कार्यशाला लेकर मार्गदर्शन किया जायेंगा।

नागरिकों को सुरक्षित स्वच्छ तथा मिलावट के मुक्त अन्न मिले इस हेतु सभी अन्न व्यवसायियों ने आवश्यक सतर्कता बरते ऐसा आवाहन अन्न व औषध प्रशासन कार्यालय मुहिम के चलते खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता पर प्रशासन का विशेष ध्यान रहेंगा। नियमों का उल्लंघन करने वालो पर कडी कार्रवाई की जायेंगी।

केरल के पादरी समेत ८ लोग गिरफ्तार

धर्मांतरण का आरोप

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- जिले की पुलिस ने लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए पैसे देने की पेशकश करके धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में आठ लोगों को बुधवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में केरल निवासी एक पादरी और चार महिलाएं शामिल हैं। अमरावती से ८० किलोमीटर दूर वरुड के निवासी लक्ष्मण शेडे ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि पांच-छह लोग ३० दिसंबर को स्थानीय निवासी रीतेश बोंडरे के घर आए और उनके घर के सामने पंडाल लगा दिया। सफेद कपड़े पहने एक व्यक्ति गांव के लोगों को ईसाई धर्म के बारे में उपदेश देने लगा और धर्मांतरण के लिए पैसे का लालच दिया।

पुलिस ने आरोपियों की पहचान बोंडरे, आनंदकुमार कर्री, सुधीर विलियम, विक्रम सांडे और चार महिलाओं के रुप में की। केरल का निवासी विलियम एक पादरी है। पुलिस ने सभी आठ आरोपियों को औपचारिक रुप से गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया, जिसने उन्हें जमानत दे दी। आरोपियों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने समेत भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह घटना ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के चिंताजनक चलन को उजागर करती है और संवैधानिक स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाती है।

विदर्भ में शीतलहर से गिरा तापमान

कड़ाके की ठंड में नए साल का आगाज

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण इस समय पूरे विदर्भ सहित अमरावती जिले में ठंड का असर बढ़ गया है। समूचे विदर्भ में नागपुर एवं गोंदिया सबसे ठंडा शहर रहा। वहीं अमरावती शहर में बुधवार को न्यूनतम तापमान १० डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आज और कल भी इसी तरह की ठंडक बनी रहने की संभावना है।

हालांकि अरब सागर में बने चक्राकार हवाओं के प्रभाव के चलते उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाओं की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है। इसके कारण अगले दो से तीन दिनों में ठंड धीरेधीरे कम होने और दिन व रात का मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने का अनुमान है।

कड़ाके की ठंड में नववर्ष का स्वागत

इस बीच हिमालय क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना जताई गई है। इसके असर से उत्तर दिशा से फिर से ठंडी हवाएं चलेंगी, जिससे १ जनवरी २०२६ से ठंड का प्रकोप दोबारा बढ़ गया है। नववर्ष का पहला दिन १ जनवरी कड़ाके की ठंड के साथ शुरु हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने नागरिकों से ठंड को देखते हुए गरम कपड़ों का उपयोग करें और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की। ठंड से स्वास्थ्य पर असर पड रहा है। सर्दी, खांसी, बुखार के मरीजों में वृद्धि, बच्चों और बुजुर्गों पर ठंड का अधिक असर है।

गर्म कपड़ों की मांग बढ़ी

जिले में लगातार ठंड बढ़ती जा रही है और तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। सोमवार न्यूनतम तापमान १०.९ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिनभर चल रही ठंडी हवाओं और शीतलहर के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। विशेष रुप से ग्रामीण अंचलों में ठंड का असर अधिक देखने को मिल रहा है, जहां सुबह और रात के समय कड़ाके की ठंड लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। बढ़ती ठंड का सीधा प्रभाव जनस्वास्थ्य पर पड़ रहा है। ठंड से बचाव के लिए नागरिक बड़ी संख्या में गर्म कपड़ों, स्वेटर, जैकेट और कंबलों का उपयोग कर रहे हैं।

मरीजों की संख्या में वृद्धि

हालांकि, इसके बावजूद छोटे बच्चों और बुजुर्गों को ठंड से अधिक परेशानी हो रही है। सर्दी, खांसी, बुखार और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है, जिससे सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। चिकित्सकों ने नागरिकों को ठंड से बचने की सलाह दी है। उन्होंने गर्म कपड़े पहनने, ठंडे वातावरण से बचने, गर्म भोजन और पेय पदार्थों का सेवन करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में ठंड और बढने की संभावना है, जिससे सतर्क रहने की आवश्यकता है।

तालुकास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

देसाईगंज, १ जनवरी- विज्ञान मानव प्रगति का आधार स्तंभ है और विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने में विज्ञान प्रदर्शनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, ऐसा प्रतिपादन पूर्व विधायक कृष्णाजी गजबे ने किया।

पंचायत समिति देसाईगंज (वडसा), जिला गडचिरोली के अंतर्गत तालुकास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन आदर्श इंग्लिश हाई स्कूल, देसाईगंज में २९, ३० एवं ३१ दिसंबर २०२५ को किया गया। इस प्रदर्शनी का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह ३१ दिसंबर २०२५ को उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस विज्ञान प्रदर्शनी में तालुका क्षेत्र के अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने वैज्ञानिक मॉडल एवं प्रयोग प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

माध्यमिक विभाग में प्रथम पुरस्कार महात्मा गांधी विद्यालय वडसा, द्वितीय पुरस्कार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विद्यालय वडसा, तृतीय पुरस्कार आदर्श इंग्लिश हाईस्कूल वडसा, प्राथमिक विभाग प्रथम पुरस्कार जिला परिषद शाला कुरुड, द्वितीय पुरस्कार जिला परिषद शाला कोंढाळा / महात्मा गांधी विद्यालय वडसा, तृतीय पुरस्कार प्राथमिक विभाग में तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक कृष्णा गजबे ने की, जबकि पुरस्कार वितरण लताताई मुरलीधर सुंदरकर, नगराध्यक्ष, नगर परिषद देसाईगंज के हाथों किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में जगदीश शर्मा (अध्यक्ष, नूतन शिक्षण प्रसारण मंडल), मोतीलाल कुकरेजा (सचिव), मार्गदर्शक प्रा. डॉ. श्रीराम गहाणे, नीलकंठ पोपटे, योगेश नाकतोडे, यशवंत टेंभुर्णे, एकनाथ पिल्लारे, आनंद गुरनुले, ज्ञानेश्वर बांडे, अंबादास आमनेर, मुरलीधर सुंदरकर, नाकाडे मैडम, उईके मैडम, केडझरकर सर सहित तालुकास्तरीय सभी प्रधानाध्यापक, शिक्षकवृंद, विशेष शिक्षक, विषय साधन व्यक्ति, समूह साधन केंद्र के अधिकारी, पंचायत समिति देसाईगंज के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और प्रयोगशीलता को प्रोत्साहन मिला। आयोजकों द्वारा सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुरूपयोग पर अब तक कोई मामला दर्ज नहीं

जिला प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गडचिरोली, १ जनवरी- गडचिरोली जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग के स्पष्ट प्रमाण सामने आने के बावजूद अब तक किसी भी दोषी व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज नहीं किया गया है। इस चौंकाने वाले तथ्य के उजागर होने के बाद जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

बीते कुछ दिनों पहले गडचिरोली शहर सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में घरेलू गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत देखी गई। गैस एजेंसियों के बाहर हजारों उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। इसी दौरान यह आरोप जोर पकड़ने लगे कि घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध उपयोग होटल, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में किया जा रहा है। आरोप है कि इसी कारण आम नागरिकों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है।

इस गंभीर मामले को लेकर कुछ राजनीतिक पदाधिकारियों ने गडचिरोली के जिलाधिकारी को लिखित शिकायत देकर गहन जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद जिलाधिकारी ने तत्काल आदेश जारी करते हुए जिले के सभी १२ तहसीलों में आपूर्ति विभाग को जांच के निर्देश दिए थे। आदेश में यह स्पष्ट किया गया था कि यदि घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग पाया जाता है, तो आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इन आदेशों के तहत गडचिरोली शहर में २५ स्थानों पर छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में कुल ३४ घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इनमें गोंडवाना विश्वविद्यालय की कैंटीन से मिले तीन सिलेंडर सहित कई होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के सिलेंडर शामिल थे। हालांकि, कार्रवाई के बाद सभी जब्त सिलेंडर सुपुर्दनामा पर संबंधित गैस एजेंसी संचालकों को वापस सौंप दिए गए।

इसी बात को लेकर अब बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। शहर में चर्चा है कि घरेलू सिलेंडरों का अवैध उपयोग करने वाले होटल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गैस की आपूर्ति करने वाले स्वयं गैस एजेंसी संचालक ही हैं। ऐसे में जिला आपूर्ति अधिकारी की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों में यह शंका गहराती जा रही है कि क्या वास्तव में आपूर्ति विभाग द्वारा ईमानदार और निष्पक्ष जांच हो पाएगी।

सबसे गंभीर पहलू यह है कि अब तक न तो किसी होटल मालिक पर और न ही किसी गैस एजेंसी संचालक पर घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग को लेकर आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत कोई आपराधिक मामला दर्ज किया गया है, और न ही कोई आर्थिक दंड लगाया गया है। इस वजह से नागरिकों में तीव्र आक्रोश देखने को मिल रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ होटल संचालकों पर कार्रवाई न हो, इसके लिए राजनीतिक दबाव डाले जाने की भी चर्चा है। आरोप है कि इसी राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग अब तक सख्त कदम उठाने से बचते नजर आ रहे हैं।

गंभीर बात यह भी है कि गडचिरोली राज्य के मुख्यमंत्री का पालकत्व जिला होने के बावजूद इस तरह की कथित लापरवाही और देरी से नागरिकों में संदेह पैदा हो रहा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या प्रशासन अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के पक्ष में खड़ा है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग में शामिल दोषियों पर वास्तव में कार्रवाई होगी या फिर यह पूरा मामला राजनीतिक दबाव में दबा दिया जाएगा। पूरे जिले की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं और नागरिक दोषियों पर तत्काल व कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नागरिक केंद्रित सुशासन की ओर बढ़ाए कदम-पंडा

ईगवर्नेस उपक्रम का शुभारंभ

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गडचिरोली, १ जनवरी- नागरिकों की सुविधा के लिए जन निवेदन पोर्टल तथा गडचिरोली मित्र डिजिटल उपक्रम शुरु किए है। इस उपक्रमों के माध्यम से गडचिरोली जिला ने लोकाभिमुख, पारदर्शक व तकनीकी ज्ञानाधिष्ठित प्रशासन की दिशा में कदम बढ़ाए है। जिससे उक्त दोनों उपक्रमों का लाभ लने का आहवान जिलाधिकारी अविश्यांत पंडा ने किया।

नागरिकों को घर बैठे शिकायत पंजीयन, सरकारी सेवा की जानकारी व आवेदन के उन्नति की जानकारी मिले तथा नागरिक व प्रशासन में संवाद अधिक सुलभ, गतिमान व पारदर्शक हो इस उद्देश्य से ग़डचिरोली जिला प्रशासन ने डिजिटल उपक्रम जननिवेदन पोर्टल तथा गडचिरोली मित्र वाटसएप चैटबॉट कार्यान्वित किया है। मुख्यमंत्री १५० दिवस के कार्यक्रम अंतर्गत जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा विकसित किए गए इस प्रणाली का उद्घाटन जिलाधिकारी अविश्यांत पंडा के हाथों किया गया। कार्यक्रम में निवासी उपजिलाधिकारी अस्मिता मोरे, जिला शल्य चिकित्सक डा.वर्षा लहाडे, उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी किरण मोरे, जिला पशुसंवर्धन उपायुक्त डा. गणेश मेश्राम, जिला महिला व बालविकास अधिकारी ज्योती कडू, पाटबंधारे विभाग के कार्यकारी अभियंता राहुल मोरघडे, जिला ग्रंथालय अधिकारी गजभारे समेत जिले के सभी सरकारी कार्यालय के प्रमुख दूरदृश्य प्रणाली द्वारा उपस्थित थे। इस समय मार्गदर्शन करते हुए जिलाधिकारी अविश्यांत पंडा ने कहा कि जन निवेदन पोर्टल केवल शिकायत पंजीयन का साधन नहीं है, बल्कि नागरिकों की अपेक्षाओं को समय पर प्रतिसाद देने वाली तथा प्रशासन के उत्तरदायित्व की कार्यसंस्कृति अधिक मजबूत करने वाली आधुनिक डिजिटल व्यवस्था है। गडचिरोली जैसे भौगोलिक दृष्टि से आहवानात्मक जिले में इस पोर्टल के माध्यम से नागरिक व सरकार में सीधे, शीघ्र व प्रभावी संवाद प्रस्थापित होने वाला है। सुशासन की दिशा में यह एक नया आदर्श बनेगा। वहीं नागरिकों के शिकायतें हल करने के लिए प्रशासन कटिबद्ध होने की बात कही।

कागजों की व्यवस्था का डिजिटल विकल्प जननिवेदन पोर्टल यह कागजों के आधार पर स्थित व्यवस्था को डिजिटलविकल्प है। मुख्यमंत्री १५० दिनों के कार्यक्रम के तहत जनता की शिकायत का दी गई अवधि में निपटारा हो, इसके लिए जननिवेदन पोर्टल कार्यान्वित किया गया है। इससे अनेक वर्ष से उपयोग में होने वाले डाक आधारित दस्तावेज पद्धति अब शिकायत पंजीयन से अंतिम निवारण तक की प्रक्रिया तकनीकी आधारित, समयबद्ध व जायजा लेने योग्य हुई है। इस दौरान संकेत स्थल को भेंट दें या उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन करें। इसमें संबंधित तहसील व विभाग चुनकर व मोबाइल क्रमांक तथा आवश्यक जानकारी देने के बाद शिकायत पेश की जा सकती है। आवश्यक होने पर फोटो या दस्तोवेज अपलोड करने की भी सुविधा है। शिकायत दर्ज होने के बाद नागरिकों को यूनिक आईडी प्राप्त होती है। इस आधार पर शिकायत की वर्तमान स्थिति व उन्नति की जांच की जा सकती है। जिलाधिकारी के लिए उपलब्ध रियलटाइम नियंत्रण फलक प्रणाली के लिए कुल शिकायतें, प्रलंबित मामले, विभागवार कार्य व विलंब के कारण सीधे देखे जा सकते है।

खुदाई से दूरसंचार नेटवर्क क्षतिग्रस्त होने पर होगी दंडात्मक कार्रवाई

- कॉल बिफोर यू डिगिंग पर पंजीकरण करने का आहवान
- शिकायतों के निवारण हेतु जिला स्तरीय समिति गठित

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

चंद्रपुर, १ जनवरी- जिले में विभिन्न विकास कार्यों के दौरान शासकीय एवं निजी एजेंसियों द्वारा की जाने वाली खुदाई से कई बार दूरसंचार नेटवर्क क्षतिग्रस्त हो जाता है। इसके कारण मोबाइल नेटवर्क बाधित होने के साथसाथ ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने जैसी सेवाओं में भी गंभीर परेशानियां उत्पन्न होती हैं।

इन समस्याओं पर नियंत्रण पाने के लिए दूरसंचार विभाग की ओर से कॉल बिफोर यू डिगिंग नामक ऐप विकसित किया गया है। प्रशासन की ओर से अपील की गई है कि जेसीबी धारक, ठेकेदार एवं खुदाई कार्य करने वाली सभी शासकीय व निजी एजेंसियां इस ऐप पर अनिवार्य रुप से पंजीकरण करें।

जिले में दूरसंचार नेटवर्क को निर्बाध रुप से उपलब्ध कराने तथा दूरसंचार आधारभूत संरचना से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति की बैठक जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी.सी. के मार्गदर्शन में, निवासी उपजिलाधिकारी दगडू कुंभार की उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी कल्पना क्षीरसागर, नगरपालिका प्रशासन अधिकारी डॉ. विद्या गायकवाड़, महावितरण के कार्यकारी अभियंता विकास शहाडे, सार्वजनिक बांधकाम विभाग के उपकार्यकारी अभियंता एन.डी. वैद्य, दूरसंचार विभाग नागपुर के संचालक आशिषकुमार सांघी, योगेंद्र सिंह बघेल, प्रदीपकुमार रामटेके, बीएसएनएल के उपमहाप्रबंधक नितीन टेंगशे, सहायक महाप्रबंधक देविदास कोवा, तथा आईडिया, जियो, वोडाफोन और एयरटेल कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

न्यू टेलीकॉम एक्ट २०२३ के अध्याय ९ की धारा ४२(१) के अनुसार, यदि खुदाई के दौरान दूरसंचार की आधारभूत संरचना को नुकसान पहुंचता है, तो दोषी व्यक्ति को तीन वर्ष तक की सजा, नुकसान की गंभीरता के अनुसार दो करोड़ रुपये तक का जुर्माना, अथवा दोनों दंड का प्रावधान है।

इसलिए प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यदि ठेकेदार, जेसीबी चालक एवं संबंधित एजेंसियां कॉल बिफोर यू डिगिंग ऐप पर पंजीकरण करती हैं, तो संबंधित सर्विस प्रोवाइडर को पूर्व सूचना मिल सकेगी और खुदाई से होने वाले नुकसान को रोका जा सकेगा।

इस अवसर पर निवासी उपजिलाधिकारी दगडू कुंभार ने कहा कि जिले में दूरसंचार से जुड़े तकनीकी विषयों, टावर स्थापना में आने वाली समस्याओं, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा अन्य अड़चनों के समाधान के लिए यह बैठक आयोजित की गई है।

उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ ऑनलाइन माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जिले के अंतिम छोर तक मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध होना आवश्यक है। इसके लिए प्रशासन के साथसाथ सभी सर्विस प्रोवाइडरों का सहयोग जरुरी है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत जिला प्रशासन को सूचित करने का भी उन्होंने आहवान किया।

कोपेला क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित

गांव में पक्की सड़क व नाली का अभाव

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गडचिरोली, १ जनवरी- तहसील के अतिदुर्गम क्षेत्र के रुप में पहचाने जाने वाले कोपेला गांव व परिसर के नागरिक बुनियादी सुविधा से वंचित है। सरकार की अनदेखी के कारण कोपेला गांव व परिसर में पक्के सड़क की अभाव होकर नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे सरकार व प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर तत्काल बुनियादी सुविधाएं निर्माण करने की मांग परिसर के नागरिकों द्वारा की जा रही है। सिरोंचा तहसील मुख्यालय से करीब ४५ किमी दूरी पर कोपेला गांव बसा है। राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक ६३ से करीब ५ किमी दूरी पर कोपेला गांव बसा है। इस गांव में पक्की सड़क व नाली का अभाव है। पक्की सड़क के अभाव के कारण रापनी बस सेवा से गांववासी वंचित है। आवश्यक कार्य के लिए गांववासियों को अपने दोपहिया व साइकिल का सहारा लेना पड़ता है। वहीं गांव में स्वास्थ्य की अनेक समस्या है। गांव परिसर में एक नाला होकर बारिश के दिनों में आवागमन बंद हो जाता है। वहीं परिसर के नागरिक वनविकास महामंडल व वनविभाग में मजदूरी कर गुजरबसर करना पड़ रहा है। वहीं अनेक लोग तेलंगाना राज्य में कार्य के लिए जाते है। गांव में आंगनवाड़ी व कक्षा चौथीं तक की शाला है। परिसर में कनिष्ठ महाविद्यालय नहीं होने से छात्रों को तहसील मुख्यालय में जाना पड़ रहा है। गांव में स्वास्थ्य पथक होकर कोई भी कर्मचारी उपस्थित नहीं रहता। स्वास्थ्य सेविका झिंगानुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रहकर सेवा देता है। गांव की स्वास्थ्य कार्य आशा वर्कर संभालता है। जिससे सरकार इस परिसर के नागरिकों की समस्या पर गंभीरता से ध्यान देकर परिसर विकास करने की मांग परिसर के नागरिकों द्वारा की जा रही है।

जिले में सौर पंप योजना ठप

२ साल बाद भी जिले के लाभार्थियों को नहीं मिले सौर पंप

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गडचिरोली, १ जनवरी- राज्य सरकार ने किसानों को वित्तीय संकटों से उबारने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया है। योजनाओं के माध्यम से किसानों के उत्पादन में वृध्दि कर उन्हें सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है। लेकिन अधिकांश योजनाएं विभागों की लापरवाही के कारण विफल साबित होने लगी है। करीब २ वर्ष पहले आरंभ की गयी सौर पंप की योजना ग़डचिरोली जिले में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। अब तक जिले के अनेक किसानों ने इस योजना का लाभ पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन पेश किये है। लेकिन संबंधित किसान लाभार्थियों को अब तक सौर पंप उपलब्ध नहीं कराये गये। जिससे किसान त्रस्त हो गये है।

प्रति वर्ष पानी की कमी के चलते किसानों की फसलें सूखकर बर्बाद हो रहीं है। गडचिरोली जिले में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण आज भी स्थानीय किसान बारिश पर निर्भर रहकर अपने खेत में अनाज उगा रहे है। तालाबों में पानी का संग्रहण कर इसका उपयोग किया जाता है। लेकिन इन तालाबों से खेत तक पानी पहुंचाने के लिए डीजल पंपों अथवा मोटर पंप की आवश्यकता होती है। मोटर पंप के लिए बिजली आपूर्ति की आवश्यकता है। बिजली आपूर्ति के विकल्प के रुप में सौर पंप योजना द्वारा किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना सरकार द्वारा बनायी गयी। लेकिन लाभार्थियों द्वारा आवेदन करने के बावजूद भी अनेक लाभार्थियों को कृषिपंप का लाभ नहीं मिला है। जिससे लाभार्थी बिजली कार्यालय के चक्कर काट रहे है।

मवेशियों के प्राण बचाने की हर कोशिश

११ महीने में १०२४ मवेशियों को कत्लखानों से बचाया

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गोंदिया, १ जनवरी- मवेशियों की तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके पुलिस ने पिछले ११ महीनों में १,०२४ जानवरों को मौत के मुंह से बचाने में कामयाबी हासिल की। कृषि प्रधान देश में मवेशी बहुत होते हैं। इसलिए किसान मवेशी पालते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में चारे की कमी और गांठ जैसी बीमारियों की वजह से बिकने वाले जानवरों की संख्या बढ़ गई है। किसानों की इस मुश्किल का फायदा उठाकर जानवरों को औनेपौने दाम पर खरीदकर पड़ोसी राज्य में बूचड़खाने ले जाया जाता है। पिछले कुछ सालों से जब राज्य में गोहत्या प्रतिबंध एक्ट लागू था, तब इस तरह की चीजें आम थीं। लेकिन, पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे ने इस मामले को गंभीरता से लिया और सभी पुलिस थानों को बूचड़खाने ले जाए जा रहे जानवरों को बचाने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उसके बाद, स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर ने मवेशियों की तस्करी को रोकने के लिए विशेष टीमें बनाईं। जिले से मवेशियों की तस्करी दूसरे राज्यों में की जाती है। इसलिए, इस टीम ने विभिन्न स्थानों परनाकाबंदी और

निरीक्षण किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना दिनरात जानवरों को बचाने के लिए कड़ी मेहनत की। परिणामस्वरुप, जिले में अलगअलग जगहों पर ७३ कार्रवाई की गई। १०२४ मवेशियों को बचाया गया और मवेशी पालने वाले संस्थाओं को दिया गया। २२ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से करीब ३ करोड़ ७३ लाख २१ हजार रुपए का सामान जब्त किया गया। इसके साथ ही, वाहन भी जब्त किए गए। मवेशियों का उपयोग खेती के काम के साथ साथ दूध और अन्य उत्पादों के लिए किया जाता है। कई किसान खेती के साथ-साथ डेयरी का व्यवसाय भी करते हैं। वे इसी व्यवसाय से अपना गुजारा करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ सालों में मवेशियों पर संकट आया है। खेती में मशीनीकरण के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से बैलों की संख्या कम हो गई है। वहीं, चारे की समस्या की वजह से किसानों के लिए जानवर पालना एक बड़ी चुनौती बन गया है। इसलिए, किसान सरकार से मांग कर रहे हैं कि मवेशियों की संख्या में कमी को रोकने के लिए खास कदम उठाए।

पशु तस्करों पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी

बड़े पैमाने पर मवेशियों की तस्करी हो रही है। इसलिए, जिला पुलिस अधीक्षक ने मवेशियों की तस्करी रोकने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत, पिछले ११ महीनों में स्थानीय अपराध शाखा और जिले के अलगअलग पुलिस थानों के पुलिस अधिकारियों ने ७३ कार्रवाई की। इसमें २२ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और १०२४ मवेशियों को बचाया गया है। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ऐसी जानकारी स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक पुरुषोत्तम अहेरकर ने दी।

जनगणना कार्यक्रम की जिम्मेदारी जिलाधीश पर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गोंदिया, १ जनवरी- राज्य सरकार ने जनगणना २०२६ की तैयारी के लिए पूरे राज्य में कानूनी आदेशों और प्रशासकीय रचना की अधिकृत घोषणा कर दी है। यह जनगणना पूरी तरह से डिजिटल तरीके से की जाएगी और आधुनिक तकनीकी की मदद से सही और तेजी से जानकारी जमा करने पर जोर दिया गया है। इस बारे में सरकारी फैसला सामान्य प्रशासन विभाग ने २३ दिसंबर को जारी किया था। इस फैसले के मुताबिक, जिलाधीश और संबंधित महापालिका के आयुक्त अपनेअपने इलाकों में प्रधान जनगणना अधिकारी के

जनगणना २०२६ की तैयारी शुरु

तौर पर जिम्मेदार होंगे। राज्य के सभी विभागीय आयुक्ताओं को विभागीय जनगणना अधिकारी बनाया गया है। वे अपने विभाग में जनगणना की देखरेख करेंगे। जिला स्तर पर, निवासी उपजिलाधीश यह जिला जनगणना अधिकारी के तौर पर काम करेंगे और उपविभागीय अधिकारी उपविभागीय जनगणना उपविभागीय अधिकारी के तौर पर काम करेंगे। तहसील स्तर पर, तहसीलदार और नायब तहसीलदार को ग्रामीण इलाकों में जनगणना की जिम्मेदारी दी गई है। नगर परिषद, नगर पंचायत में मुख्याधिकारी को प्रभारी जनगणना अधिकारी नियुक्त रहेंगे।

खर्च में किफायत बरतने के दिए निर्देश

सरकार ने साफ किया है कि सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे जनगणना पर होने वाले खर्च में किफायत बरतें, समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने और गुणवत्ता वाला काम पक्का करने की जिम्मेदारी अधिकारियों की रहेंगी। हर जिले और नगर निगम के लिए हर महीने सरकार को प्रोग्रेस रिपोर्ट देना जरुरी होगा।

लोहिया प्रतिमाओं का अनावरण व रुद्राभिषेक पूजा

जमुनादेवी, रामेश्वरदास व जमनादास की प्रतिमा लगी

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

सड़क अर्जुनी, १ जनवरी- रामेश्वरदास जमनादास लोहिया माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूल, रामदेवबाबा अध्यापक विद्यालय, जमुनादेवी लोहिया प्राथमिक स्कूल व लोहिया कॉन्वेंट एंड प्राइमरी इंग्लिश स्कूल सौंदड़ के संयुक्त तत्वावधान में पंडित श्रीकृष्ण मुले व उनके सहयोगियों द्वारा रुद्राभिषेक पूजा कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात स्व. जमुनादेवी, स्व. रामेश्वरदास तथा स्व. जमनादास लोहिया की प्रतिमाओं का अनावरण आईएएस पूर्वा अग्रवाल के हस्ते महावीर मारवाड़ी स्कूल सोसायटी गोंदिया के अध्यक्ष सिताराम अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया।

अतिथि के रुप में लोहिया शिक्षण संस्था के अध्यक्ष जगदीश लोहिया, सचिव पंकज लोहिया, कोषाध्यक्ष सुरेशकुमार लोहिया, पूर्व जिप सदस्य प्रभुदयाल लोहिया, सदस्य कन्हैयालाल लोहिया, पुरुषोत्तम लोहिया, दीपक लोहिया, उपाध्यक्ष आनंदराव घाटबांधे, सहसचिव मधुसूदन अग्रवाल, प्राचार्य उमा बाच्छल, गुलाबचंद चिखलोंढे, मनोज शिंदे, कल्पना काले, आर.एन. अग्रवाल उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने भारत माता, श्रीगणेश, हनुमानजी, अग्रसेनजी, रामदेवबाबा की प्रतिमा की पूजा कर माल्यार्पण किया। जगदीश लोहिया के हस्ते पूर्वा अग्रवाल, डा. प्राची विनोदकुमार अग्रवाल, सुहानी विजय अग्रवाल का पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया। साथ ही १०वीं व १२वीं कक्षा में प्रथम, द्वितीय आने वाले विद्यार्थियों को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रस्तावना प्राचार्य उमा बाच्छल ने रखी। संचालन यू.बी. डोने ने किया व आभार प्राचार्य गुलाबचंद चिखलोंढे ने माना। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ।

मंदिर में मृत अवस्था में मिला नवजात शिशु

तुमसर- तुमसर तहसील अंतर्गत गोबरवाही पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले कटंगी मार्ग पर स्थित शिवतीर्थ परिसर के दुर्गा माता मंदिर में एक दिन के नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मानवता को झकझोर देने वाली यह दर्दनाक घटना सुबह करीब ५.१५ बजे राजापुरनाका-डोंगरी मुख्य मार्ग स्थित श्री क्षेत्र में सामने आई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंदिर के पुजारी येदुनाथ पर्वते रोज की तरह पूजा करने पहुंचे थे। उन्होंने शिव मंदिर के पास, दुर्गा देवी के बगल में, लाल और पीले फूलों से लिपटे एक दिन के नवजात शिशु पाया। शिशु के शरीर में कोई हलचल न देखकर वे घबरा गए और तुरंत पुलिस पाटिल दिवाकर डोंगरे को इसकी सूचना दी। इस घटना की सूचना तत्काल गोबरवाही पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और चिकित्सा टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घटनास्थल पर जमा भीड़ में तरहतरह की चर्चाएं शुरु हो गई। ग्रामीणों में आक्रोश और संवेदना का माहौल था।

किसानों के मुद्दे पर एकता मंच मैदान में

कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से किसानों में भारी रोष

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

सालेकसा, १ जनवरी- तहसील में धान बोनस गबन प्रकरण और किसानों को उनके हक का भुगतान न मिलने के विषय को लेकर किसान एकता मंच अब आरपार की लड़ाई के मूड़ में नजर आ रहा है। धान बोनस घोटाले का मामला युवा सेना प्रमुख अर्जुनसिंह बैस व युवा सेना ओबीसी जिला अध्यक्ष तथा सरपंच तमिल कुमार टेंभरे द्वारा सूचना का अधिकार के माध्यम से उजागर किया गया था। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि सालेकसा तहसील की तीन धान खरीदी सोसायटियों के करीब २८ संचालक धान बोनस गबन में दोषी पाए गए, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि अन्य सोसायटियों के संचालक भी जांच के दायरे में हैं। घोटाले के बाद प्रशासन ने कई किसानों के बैंक खाते होल्ड कर दिएहैं, जिससे कई वास्तविक धान उत्पादक किसान बोनस राशि से वंचित हो गए हैं। इतना ही नहीं, धान खरीदी केंद्रों पर बेचे गए धान की मूल राशि तक कई किसानों को अब तक नहीं मिली है। इससे किसान आर्थिक व मानसिक संकट में फंस गए हैं। इन समस्याओं को लेकर किसान एकता मंच ने सरपंच तमिल कुमार टेंभरे के नेतृत्व में २९ मई २०२५, २ सितंबर २०२५, ६ नवंबर २०२५ और ५ दिसंबर २०२५ को प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की थी। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से किसानों में भारी रोष है। इसी के चलते किसान एकता मंच ने तहसीलदार नरसय्या कोंडागुर्ले को ज्ञापन सौंपते हुए २ जनवरी २०२६ तक किसानों की समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिए जाने पर तहसील कार्यालय के सामने किसानों के बेमियादी अनशन शुरु करने की चेतावनी दी है।

एकता मंच की मांगें

तहसील के सभी पात्र किसानों को तत्काल धान बोनस की राशि देने, धान खरीदी केंद्रों पर बेचे गए धान की संपूर्ण राशि तत्काल अदा करने, बिना ठोस कारण जिन किसानों के बैंक खाते होल्ड किए गए हैं, उन्हें तत्काल मुक्त करने और फर्जी ७/१२ मामले की

निष्पक्ष जांच करने, तहसील के शेष धान खरीदी केंद्रों पर भीगबन मामले में कार्रवाई करने, दोषी संचालकों व अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने, जांच रिपोर्ट की प्रति किसान प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने, भविष्य में धान खरीदी में पारदर्शिता लाने के लिए सख्त प्रणाली लागू करने, शासन निर्णय अनुसार धान खरीदी करने, किसानों को बारदाना उपलब्ध कराने आदि मांगों का समावेश है।

तिरोडा में वार्षिक अधिवेशन

पेंशन डे पर बुजुर्गों का सम्मान

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

तिरोड़ा, १ जनवरी- गोंदिया जिला सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ, शाखा तिरोड़ा की ओर से झरारिया मंगल कार्यालय में पेंशन डे तथा वार्षिक अधिवेशन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ७०, ७५, ८०, ८५, ९० व ९५ वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शाल व श्रीफल भेंट कर भावपूर्ण सम्मान किया गया। अध्यक्षता सु.दु. कटरे ने की। उद्घाटन विधायक विजय रहांगडाले के हस्ते हुआ। प्रमुख अतिथि के रुप में पूर्व विधायक भजनदास वैद्य, नगराध्यक्ष अशोक असाटी तथा पार्षद अनिकेत कटरे विशेष रुप से उपस्थित थे।

वरिष्ठजनों का सम्मान व मार्गदर्शन अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय शासकीय सेवा में समर्पित करने के पश्चात सेवानिवृत्ति के बाद भी संगठन के माध्यम से सामाजिक दायित्व निभाने वाले वरिष्ठ कर्मचारियों का सम्मान करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। अतिथियों ने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान की सराहना की तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। सफलतार्थ संगठन के तहसील अध्यक्ष डी.एस. पटले, उपाध्यक्ष ता.ब. पटले, सचिव पी.बी. बिसेन व सहसचिव एल.ए. चौधरी ने प्रयास किया। इसके अतिरिक्त कार्याध्यक्ष एच.एच. कटरे, कोषाध्यक्ष एस.जे. पारधी, बी.जे. पटले, ठोंबरे, सुरसाउत, हिंगे, सुशीला आगाशे, मीनाक्षी ठाकरे, के.एस. मेश्राम, वी.जे. अंबुले ने कार्यक्रम के नियोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अधिवेशन में तहसील क्षेत्र के बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित थे।

वन्यजीव अधिनियम किसानों के लिए जानलेवा

फसलों की हानि और जान जाने का भी डर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गोंदिया, १ दिसंबर- सरकार ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम बनाया, जिससे जंगल के हर जानवर की रक्षा हुई है। लेकिन जंगली जानवरों के कारण किसान असुरक्षित हैं और किसानों का खेतों पर जाना मुश्किल हो गया है। जंगली जानवर न सिर्फ फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि किसानों पर हमला कर उनकी जान भी ले लेते हैं। वहीं तस्वीर बता रही है कि किसान इस कानून से बेबस हैं। इसके चलते वन्यजीव संरक्षण अधिनियम किसानों के लिए जानलेवा बनता

जा रहा है।

जंगली जानवर दिनरात खेतों में विचरण करते रहते हैं। जिससे जंगली जानवर फसलों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। किसानों ने रबी सीजन की बुआई की। लेकिन देखा जा रहा है कि जंगली जानवरों द्वारा किए जा रहे नुकसान के कारण कई किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि पहले से ही कर्ज में डूबे किसान अपना जीवन कैसे गुजारें। बुआई से लेकर कटाई तक ग्रामीण क्षेत्रों में किसान दिनरात फसलों की रखवाली करता है। इसके लिए वह हर महीने हजारों रुपए खर्च करते हैं। लेकिन किसान जंगली जानवरों का अतिक्रमण नहीं रोक पा रहे हैं। जिससे उन्हें हर साल नुकसान हो रहा है।

फसलों को पहुंचाते हैं काफी नुकसान

खेतों में दिनरात जंगली जानवर घूमते रहते हैं और फसलों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे किसानों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय यह है कि ऐसा होने के बावजूद किसान इस कानून के कारण असहाय हो गए हैं। किसान खेतों में कितनी भी व्यवस्था कर लें, उपद्रवी जंगली जानवर और जंगली सुअरों के झुंड खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पकी फसलों को कर देते हैं नष्ट

किसान कितनी भी सुरक्षा कर ले लेकिन जंगली सुअरों के झुंड पौधों और पकी फसलों को नष्ट कर देते हैं। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के कारण किसान कुछ नहीं कर सकते। जिले के गोरेगांव, सड़क अर्जुनी, अर्जुनी मोरगांव, सालेकसा, देवरी और तिरोड़ा तहसील के कुछ गांव वन क्षेत्र से सटे हुए हैं।

इसमें अर्जुनी मोरगांव और सड़क अर्जुनी तहसील को जंगली जानवरों द्वारा काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। परिणामस्वरुप किसानों की आंखों के सामने उनके ही खेतों में लगी फसलें बर्बाद हो रही हैं। किसानों की मांग है कि वन विभाग जंगली जानवरों की देखभाल कर प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता दे।

बाघ ने किया मजदूर पर हमला

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

तुमसर, १ जनवरी- तुमसर तहसील के नाकाडोंगरी वनपरिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में बाघ का आतंक दिनबदिन बढ़ता जा रहा है। पहले मवेशियों पर हमला करने वाला बाघ अब सीधे इंसानों पर जानलेवा हमले करने लगा है, जिससे पूरे क्षेत्र में भय का माहौल फैल गया है।

सूत्रों के अनुसार रात ८.३० बजे कारली निवासी रमेश बापू नागपुरे (४५) चिखला माइन में काम खत्म कर मोटरसाइकिल

से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गोबरवाहीकारली मार्ग पर घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक सामने आकर उन पर हमला कर दिया। हमले में रमेश नागपुरे मोटरसाइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रुप से घायल हो गए। इसी समय सड़क से गुजर रहे वाहनों के तेज शोर से बाघ घबरा गया और जंगल की ओर भाग गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। घायल रमेश नागपुरे को स्थानीय नागरिकों की मदद से तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से इस इलाके में बाघ का लगातार मूवमेंट देखा जा रहा है। बाघ के हमलों में कई मवेशियों कीमौत भी हो चुकी है।

आजीविका के लिए फुटपाथ पर बैठे बेरोजगार

काम धंधे का जुगाड़ नहीं होने से सामने आ रही कई दिक्कतें

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

गोंदिया, १ जनवरी- देश में सरकार भले ही कई योजना और उद्योग ला रही हो, इसके बावजूद बेरोजगारी सिर उठा रही है। वहीं पढ़े लिखे युवा रोजगार की तलाश में दर दर भटकते नजर आ रहे हैं। यह समस्या अब तेजी से विकराल हो रही है। अपना घरपरिवार का पालन पोषण करने के लिए अब लोगों के पास काम धंधे का जुगाड़ नहीं होने से लोगों के सामने कई दिक्कतें निर्माण हो रही है। ऐसे में शहर के मुख्य मार्ग, रेलवे स्टेशन, बस स्थानक व अन्य परिसरों के फुटपाथों पर छोटीमोटी दुकान लगाकर लोग

अपने तथा अपने परिवार का पेट पालने की जुगत में बैठते है, लेकिन इन पर भी पुलिस और प्रशासन का डंडा चलने से उन्हें भूखे रहने की नौबत भुगतनी पड़ती है। इन लोगों को रोजगार देने या फिर व्यवसाय करने उचित जगह देने के लिए स्थानीय प्रशासन के पास कोई मास्टर प्लान नहीं होने से शहर में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो रही है और यहीं वजह है कि शहर में अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। नई दुकान और जगह के लिए लोगों को लाखों रु. की पगडी देना संभव नहीं होने से लोग फुटपाथ और सड़क किनारे ही अपनी दुकानें लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण करने में लगे है। जब भी शासन का डंडा चलता है तो खानापूर्ति के नाम पर अतिक्रमण हटाया जाता है। फिर कुछ ही दिनों में यह सब दुकानें वापस सड़क पर आ जाती है। आज हजारों की तादाद में शहर के मुख्य मार्गो के दोनों ओर अतिक्रमण का जाल बिछा हुआ है।

अतिक्रमण को लेकर गंभीरता से विचार नहीं

गोंदिया शहर में नगर परिषद में अब तक कई पार्टियों की सत्ता आई, जनप्रतिनिधि आए और गए। शहर में नप ने संकुल भी बनाए। जिसमें इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर में व रेलटोली परिसर का समावेश है। शहर के अतिक्रमण को लेकर किसी नेभी गंभीरता से विचार नहीं किया। लघु स्तर का कार्य करने वालों के लिए स्थायी तौर पर कुछ करने की दिशा में कभी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। शहर में आज मुख्य सड़क, डिवायडर, चौराहे तथा व्यापारी प्रतिष्ठानों के सामने वाली जगहों पर फुटपाथ दुकानदारों का कब्जा है। इससे सड़क की चौड़ाई दिनों दिन कम होती जा रही है।

ऑनलाइन गर्लफ्रेंड सीधे घर आ टपकी

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

यवतमाल, १ जनवरी- सोशल मीडिया के माध्यम से मुंबई, गुजरात और असम की लड़कियां प्यार में पड़ गई। अपने प्रेमी की तलाश में वे सीधे यवतमाल जिले तक पहुंच गई। केवल दिसंबर महीने में लगातार तीन ऐसी घटनाएं सामने आने से यवतमाल में खलबली मच गई।

हालांकि पुलिस और बाल कल्याण समिति की समय पर कार्रवाई के कारण इन लड़कियों को सुरक्षित रुप से उनके घर भेजने में सफलता मिली। इंस्टाग्राम के जरिए यवतमाल के एक युवक से पहचान हुई और धीरेधीरे प्रेम संबंध बन गए। इसी प्रेम के चलते तीन नाबालिग लड़कियां सीधे अपने प्रेमी के घर जा पहुंचीं। इससे युवक और उसके परिवार में हडकंप मच गया।

इंस्टाग्राम पर प्रेम के चलते पहुंची यवतमाल

तीनों मामलों में पुलिस ने परिवारों तक सकुशल पहुंचाया आ चुकी है। सौभाग्य से उन्हें समय इस घटना के चार दिन भी पूरे नहीं हुए थे कि गुजरात की एक नाबालिग लडकी भी इंस्टाग्राम पर हुए प्रेम के चलते यवतमाल पहुंच गई। इस मामले में भी पूरी प्रक्रिया अपनाकर लडकी को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

इसके बाद दो दिन बाद मुंबई के दादर इलाके की एक लडकी भी अपने प्रेमी की तलाश में यवतमाल पहुंची। दिसंबर महीने में अब तक तीन लड़कियां प्रेमी की खोज में यवतमाल रहते बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिससे कोई भी अनुचित घटना नहीं घटी, ऐसी जानकारी जिला महिला व बाल कल्याण विभाग व्दारा दी गई।

यवतमाल शहर में एक ही महीने में दूसरे राज्यों से प्रेम की तलाश में आई तीन नाबालिग लड़कियों को संरक्षण में लेकर उनके परिवारों को सौंपा गया। इन नाबालिग लड़कियों ने बिना किसी विचार के किसी फिल्मी कहानी की तरह अपने प्रेमी की तलाश शुरु कर दी। असम से एक लडकी यवतमाल आकर सीधे प्रेमी के घर पहुंच गई। लडकी को देखकर प्रेमी के परिवार वाले हैरान रह गए और मामला पुलिस तक पहुंचा। इसके बाद लडकी को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया।

एमपीएससी संयुक्त पूर्व परीक्षा का रविवार को आयोजन

१२ हजार से अधिक उम्मीद्वार देंगे परीक्षा

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली महाराष्ट्र गट ब सेवा संयुक्त पूर्व परीक्षा २०२५ आगामी रविवार ४ जनवरी २०२६ को आयोजित की गयी है।

परीक्षा के लिये प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी की गयी है। रविवार ४ जनवरी की सुबह ११ से दोपहर १२ के दौरान एक ही सत्र में यह परीक्षा ली जायेगी। शहर में ४१ परीक्षा केंद्रो पर परिक्षार्थियों के परीक्षा की व्यवस्था की गयी है। परीक्षा में कुल १२ हजार ८६४ उम्मीद्वार परीक्षा देंगे। परीक्षा कामकाज सुचारु रुप से संपन्न हो इस हेतु १ हजार २५० अधिकारी तथा कर्मचारियों की नियुक्ती की गयी है। प्रशासन की ओर से परीक्षा का नियोजन पूरा हो चुका है। उम्मीदवार समय पर उपस्थित रहे, ऐसा आवाहन किया गया है।

शराब तस्करों से २.४ लाख का माल जब्त

मोर्शी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

मोर्शी, १ जनवरी- मोर्शी शहर एवं तहसील क्षेत्र में अवैध देशी शराब की तस्करी कर बिक्री किए जाने का अवैध कारोबार पूरे वर्ष जारी था। वर्ष के अंतिम दिन ३१ दिसंबर को मोर्शी पुलिस के डीबी स्क्वॉड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध देशी शराब के साथ कुल २ लाख ४ हजार रुपये का माल जब्त करने में सफलता हासिल की है।

थर्टी फर्स्ट के अवसर पर मोर्शी शहर एवं तहसील क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस निरीक्षक राहुल आठवले पुलिस स्टेशन मोर्शी ने अपने अधीनस्थ डीबी पथक को अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम पिंपळखुटा से पारडी जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने जाल बिछाया। इस दौरान आरोपी अजय प्रल्हादराव मोहोड को उसकी मोटरसाइकिल पर अवैध रुप से देशी शराब की तस्करी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से कुल २ लाख ४ हजार रुपये का माल पुलिस द्वारा कब्जे में लिया गया।

आरोपी के खिलाफ शराबबंदी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद, अपर पुलिस अधीक्षक पंकज कुमावत तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी संतोष खांडेकर के मार्गदर्शन में, पुलिस निरीक्षक राहुल आठवले के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन मोर्शी के डीबी पथक द्वारा की गई। इस पथक में पुलिस उपनिरीक्षक आकाश शिवणकर, छत्रपती करपते एवं स्वप्निल बायस्कर शामिल थे।

शिक्षक कर्मियों के एनपीएस खातों में अगस्त से रकम जमा नही

कर्मचारियों में रोष

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - विभाग के शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के राष्ट्रीय निवृत्ती वेतन प्रणाली खातों में अगस्त २०२५ से नियमीत रुप से वेतन जमा होने वाली रकम अब तक जमा नही हुई है। जिससे कर्मचारियों में तीव्र असंतोष तथा चिंता निर्माण हुई है।

इस गंभीर विषय को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिये नुटा संगठना तथा संत गाडगे बाबा विवि के सिनेट सदस्य प्रा. डा. प्रशांत विघे ने विभाग के शिक्षा सहसंचालक को ज्ञापन सौंपा है। पिछले अनेक माह से शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के वेतन से एनपीएस हेतु नियमित कटौती होने के बावजूद संबंधित खातों में रकम जमा नही हुई है। विशेष बात यह है कि इस संदर्भ में किसी भी प्रकार का ई-मेल अथवा ऑनलाईन सुचना कर्मचारियों को प्राप्त ना होने से अनेक कर्मचारियों के मन में खाते बंद होने की शंका निर्माण हुई है। इस संदर्भ में विभागीय स्तर पर मोबाईल द्वारा तथा संबंधित प्रशासकिय अधिकारियों से चर्चा किये जाने के बावजूद कोई ठोस हल ना निकलने से कर्मचारियों में तीव्र नाराजी के स्वर उमड रहे है। राष्ट्रीय निवृत्ती वेतन प्रणाली योजना कर्मचारियों के सेवानिवृत्ती पश्चात आर्थिक सुरक्षा से सीधे जुडे होने के चलते इस प्रकार से देरी कर्मचारियों के भविष्य से खिलवाड़ होने की भावना व्यक्त की जा रही है। प्रा. डा. प्रशांत विघे ने अपने ज्ञापन में प्रशासन से इस विषय पर गंभीरता से दखल देने के अलावा तकनिकी अथवा प्रशासकिय समस्या आखिरकार कौन सी है इस बात को लेकर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की है। उसी तरह अगस्त २०२५ से बकाया संपूर्ण एनपीएस योगदान तत्काल संबंधित कर्मियों के खातों में जमा करने की भी मांग की गयी है।

सहकार व्यवस्थापन पदवी हेतु प्रवेश प्रारंभ

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - सहकार व्यवस्थापन पदवी अभ्यासक्रम के लिये भाऊसाहेब भोकरे सहकार प्रशिक्षण केंद्र की ओर से १ से ३१ जुन के दौरान प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की गयी है। १ से ३० जनवरी के दौरान प्रवेश दिया जायेगा। सहकार विभाग ने सहकारी संस्था में काम करने वाले कर्मचारियों को सहकारी व्यवस्थापन पदवी अनिवार्य की है। जिसके चलते राज्य के सहकारी संस्थाओं में काम करने वाले कर्मचारियों को उनके कामकाज को सुचारु हेतु यह शिक्षाक्रम सुधार शिक्षाप्रणाली से पूरा किया जा सके। उसी तरह राज्य के सुशिक्षित बेरोजगार युवाओं को सहकार क्षेत्र की विविध सहकारी संस्थाओं में उपरोक्त पदवी शिक्षाक्रम के चलते नौकरी का अवसर उपलब्ध हो इस हेतु महाराष्ट्र राज्य सहकारी संघ ने १३ सहकार प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से यह शिक्षाक्रम पोस्टल प्रणाली से प्रारंभ किया है।

४ पिस्तौल के लाइसेंस सीपी ओला ने किए रद्द

३५८ लाइसेंसधारी, जिनके पास ३७२ हथियार दर्ज

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- महानगर पालिका चुनाव प्रक्रिया में जहां एक तरफ पुलिस विभाग द्वारा लाइसेंस धारक बंदूक जमा करने की प्रक्रिया की जा रही है वहीं दूसरी ओर शहर में पुलिस आयुक्त राकेश ओला द्वारा की गई कार्रवाई के तहत चार पिस्तौल लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। यह कदम हथियार लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन तथा संबंधित दस्तावेजों की गहन समीक्षा के बाद उठाया गया है।

सूत्रों के अनुसार अमरावती पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में जिन लाइसेंसधारकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनके दस्तावेजों में अनियमितताएं पाई गई थीं अथवा लाइसेंस की शर्तों का पालन नहीं किया गया था। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में मौजूद अन्य हथियार लाइसेंस की भी सख्ती से जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार वर्तमान में अमरावती शहर में कुल ३५८ लाइसेंसधारी हैं, जिनके पास ३७२ लाइसेंसी हथियार दर्ज हैं। पुलिस आयुक्तालय नेकानूनव्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रखने की बात कही है। इस मामले में सभी लाइसेंसधारकों के दस्तावेजों की बारीकी से जांच पड़ताल की जा रही। इसके अलावा नए लाइसेंस के लिए आवेदन कताओं को चुनाव प्रक्रिया तक रोक दिया गया है।

राजीव गांधी प्रगती अभियान को १२ जनवरी तक समयावृध्दी

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - राजीव गांधी प्रशासकीय प्रगती अभियान तथा प्रतियोगिता वर्ष २०२५-२६ इस प्रतियोगिता का प्रस्ताव ऑनलाईन प्रणाली से स्वीकारने के लिये १२ जनवरी तक समयावृध्दी दी गयी है। ऐसी अपर आयुक्त संजय जाधव ने पत्र द्वारा जानकारी दी है।

३ फरवरी २०२१ के सरकारी निर्णय के प्रावधान मुताबिक इस योजना अंतर्गत ली जाने वाली प्रतियोगिता के लिये सभी स्तर पर प्रस्ताव स्वीकारने की समयावधी ३१ अक्टूबर २०२५ थी। परंतु विधानसभा अधिवेशन तथा राज्य के स्थानिक स्वराज्य संस्था चुनाव के चलते यह प्रस्ताव पेश करने के लिये अब १२ जनवरी २०२६ तक समयावधी दी गयी है इस संदर्भ में संबंधित विभाग ने अधिनस्त सभी कार्यालयों को आवश्यक सुचना देने के संदर्भ में विभागीय आयुक्तालय द्वारा बताया गया है। राजीव गांधी प्रशासकीय प्रगती अभियान तथा प्रतियोगिता के प्रस्ताव ऑनलाईन प्रणाली से प्रस्तुत करना तथा अभियान व प्रतियोगिता से संबंधित सभी आवश्यक बातो पर कार्रवाई करने के लिय ऑनलाईन पोर्टल विकसीत किया गया है।

भातकुली में खुला विदर्भ की दहाड का कार्यालय

अमरावती- सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड अखबार का कार्यालय भातकुली में खोला गया। बता दें कि भातकुली तालुका प्रतिनिधि के तौर पर अजिम खान खलील खान को नियुक्त किया गया है। उन्हें मुख्य संपादक सुनील सचदेव के हाथों पहचान पत्र दिया गया। इस समय बडनेरा प्रतिनिधि शफीक भाई, उपसंपादक सईद खान, नगरसेवक खलील खान, फैमुद खान, अब्दुल सत्तार, रऊफ खान, अमिन खान, अ. फहीम, अ. रफीक, रहमत खान, नाजिम खान, पत्रकार धनराज, पत्रकार शहजाद, मोहसीन खान व अन्य कई मान्यवर उपस्थित थे।

सीपी राकेश ओला रहे ऑन रोड

शहर के बंदोबस्त का लिया जायजा

पुलिस को देख कई वाहन यू टर्न

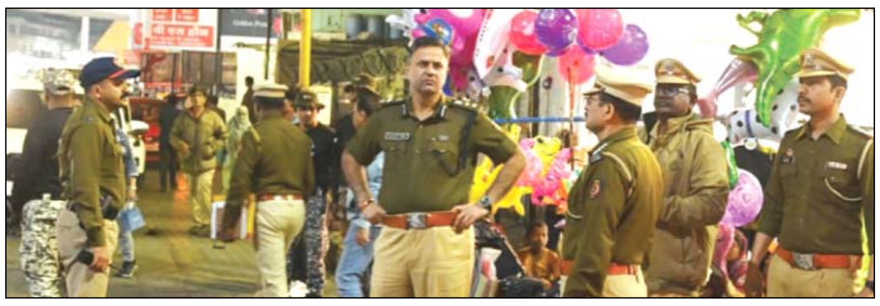

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- शहर में साल २०२५ की विदाई और नए साल २०२६ के स्वागत को लेकर व्यापक स्तर पर पुलिस विभाग द्वारा तैयार की थी। लोग इस दौरान क्लब, होटल और रेस्टॉरेंट में परिवार के साथ पहुंचकर नए साल का स्वागत करते हुए जश्न मानते दिखाई दिए। लोग अच्छे से नए साल का जश्न मना सके और शहर की शांति व्यवस्था कायम रहे इसलिए शहर पुलिस भी अलर्ट मोड पर थी। पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने स्वयं ऑन रोड सड़क पर उतरते हुए शहर में लगाए गए कड़े बंदोबस्त का जायजा लेते नजर आए। इस दौरान अधिकारी से मुलाकात कर दिशा निर्देश दिए गए।

शहर में नए साल के स्वागत को लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए थे। सड़क से लेकर रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, क्लब और आयोजन स्थलों तक पुलिस की पैनी नजर थी। शहर पुलिस ने साफ संदेश दिया था कि नए साल का जश्न कानून की सीमाओं में रहकर मनाना होगा।

सड़क पर हुडदंग करने वालों पर पुलिस सख्ती के साथ निपटते नजर आई। इस समय सीपी ओला ने राजकमल चौक, इर्विन चौक, पंचवटी चौक, शेगांव नाका, राजापेठ चौक आदि चौराहे पर बंदोबस्त का जायजा लेते नजर आए। इस संबंध में पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने पूर्व में ही अधिकारियों और रिजॉर्ट होटल संचालकों को सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश जारी कर दिए थे।

उन्होंने बताया कि न्यू ईयर के दौरान कई स्थानों पर बड़े आयोजन होते हैं, जिन्हें देखते हुए लगभग १०१ अधिकारी ९२० पुलिस जवान तैनात किए गए। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, कानून व्यवस्था से खिलवाड़ या हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शहरभर में चेकिंग प्वाइंट सक्रिय रहें और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

ड्रिंक एंड ड्राइव को लेकर सख्ती

न्यू ईयर के मद्देनजर शहर भर में सुरक्षा को मजबूत किया गया था। रेलवे स्टेशन और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर रेलवे पुलिस सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी करते नजर आए। वहीं यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों पर सख्त कार्रवाई करते दिखाई दी। पुलिस द्वारा शहर में कुल ३९ चेकिंग पॉइंट बनाए गए थे। जबकि यातायात पुलिस ने अलग से करीब ५० स्थानों पर जांच व्यवस्था के लिए पॉइंट बनाएं थे।

ब्रेथ एनालाइजर के जरिए वाहन चालकों की जांच की और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई करते नजर आए। न्यू ईयर की पूर्व संध्या पर शाम ५ बजे से लेकर रात २ बजे तक शहर की सड़कों पर पुलिस गश्त लगाते दिखाई दिए।

पुणे में गठबंधन का नया मॉडल किसके लिए होगा सबसे मुफीद

समझें कैसे बदल गए सारे समीकरण

पुणे, १ जनवरी - महाराष्ट्र में बीएमसी सहित २९ नगर निगम चुनाव ने गठबंधन की सियासत को ताश के पत्ते की तरह फेंटकर रख दिया है। २०२४ के लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव में जो नहीं हुआ, वो नगर निगम के चुनाव में हो रहा है। इसके चलते सारे समीकरण को उलटपुलट गए है। ऐसे में पुणे में गठबंधन का एक मॉडल उभरा है, जिससे भविष्य की राजनीतिक दशा और दिशा तय होनी है। पुणे के नगर निगम चुनाव में गठबंधन की पॉलिटिक्स का नया सियासी प्रयोग उभरकर सामने आया, जिसके चलते तीन गठबंधन हो गए हैं। राज्य में अभी तक दो गठबंधन थे, बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति और शिवसेना (यूबीटी) के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी, लेकिन पुणे के निगम चुनाव में तीसरा गठबंधन भी बन गया है। बीजेपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना एक साथ किस्मत आजमा रही हैं तो अजित पवार की एनसीपी से किनारा कर लिया। ऐसे में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी से हाथ मिला लिया है। मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन पर महायुति से अलग होने वाले कांग्रेस ने पुणे उसी ठाकरे ब्रदर्स के साथ हाथ मिला लिया है।

महाराष्ट्र के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में दो बड़े गठबंधन किस्मत आजमा रहे थे, जिसमें एक महायुति और दूसरा महा विकास अघाड़ी था। महायुति में बीजेपी, शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी एक साथ मैदान में थी तो दूसरी तरफ महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवेसना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी शामिल थी, लेकिन नगर निगम चुनाव में यह दोनों ही गठबंधन बिखर गए हैं। महायुति में बीजेपी और शिंदे २९ नगर निगम चुनाव में से १५ में दोनों एक साथ हैं, लेकिन १४ शहरों में एकदूसरे के खिलाफ किस्मत आजमा रहे हैं। महायुति के तीसरे पार्टनर अजित पवार की एनसीपी पूरी अलग चुनाव लड़ रही है। इस तरह महाविकास अघाड़ी के तीनों गठबंधन अलगअलग नगर निगम में अलग फॉर्मूले के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। पुणे नगर निगम चुनाव में गठबंधन का एक नया मॉडल सामने आया है। महायुति के तीनों दल मिलकर २०२४ का लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े थे, लेकिन महानगर निगम चुनाव में ये तिकड़ी बिखर गई है। पुणे नगर निगम चुनाव में बीजेपी और शिंदे की शिवसेना एक साथ खड़ी है तो अजित पवार की एनसीपी अलग ही रास्ते पर चल रही। बीजेपी और शिंदे की शिवसेना के बीच सीट बंटवारे को लेकर हलचल मची हुई है। पुणे की १६५ सीटों में से बीजेपी ने शिंदे की शिवसेना को १६ सीटें दे रही है, लेकिन वह तैयार नहीं है। शिंदे ६० सीटों पर अपने कैंडिडेट उतार रखे हैं, जिसे सुलझान की बात चल रही है। वहीं, दूसरी तरफ पवार परिवार के बीच गठबंधन का फॉर्मूला बन गया है। महायुति से अलग चुनाव लड़ रहे अजित पवार ने अपना अलग गठबंधन बना लिया है। अजित पवार की एनसीपी ने पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ महानगर निगम का चुनाव अपने चाचा शरद पवार की एनसीपी (एसपी) के साथ लडऩे का फैसला किया है। पुणे महानगर निगम चुनाव की १६५ सीटों में से १३० सीटें अजित पवार की पार्टी एनसीपी चुनाव लड़ रही है और ३५ सीटों पर शरद पवार की एनसीपी किस्मत आजमा रही है। पुणे में कांग्रेस का दबदबा अब ठाकरे बंधुओं के साथ है। मुंबई के बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के गठबंधन से कांग्रेस ने किनारा लिया है, लेकिन पुणे चुनाव में ठाकरे ब्रदर्स के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही। ऐसा लगता है कि पुणे में एक अनोखा राजनीतिक समीकरण बन गया है। इस नए समीकरण के परिणाम और आयाम पुणे और पिंपरीचिंचवड नगर निगम में देखने को मिलेंगे। पुणे की नगर निगम पर फिलहाल बीजेपी का कब्जा था। २०१७ में पुणे की १६२ सीट पर चुनाव हुए थे, जिसमें से बीजेपी के ९७, एनसीपी के ३९, शिवसेना के १०, कांग्रेस के १०, मनसे के २, एक और ३ निर्दलीय पार्षद चुने गए थे। बीजेपी पहली बार पुणे में अपना मेयर बनाने में सफल रही थी। यही वजह है कि बीजेपी एक बार फिर से पुणे पर अपना कब्जा बरकरार रखने की जुगत में है।

जमीन में इंवेस्टमेंट और भारी मुनाफा

झांसा देकर लोगों से ६४ लाख ठगने वाले ७ गिरफ्तार

मुंबई, १ जनवरी - महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने बुधवार को जमीन में इंवेस्टमेंट में भारी प्रॉफिट का वादा करके कई लोगों से ६४ लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक महिला समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ठाणे के वागले एस्टेट डिवीजन के कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन में मुंबई के कांदिवली निवासी २८ वर्षीय व्यक्ति और अन्य अज्ञात पीड़ितों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। कपूरबावड़ी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया, सात आरोपियों की पहचान किसानराव राठौड़, मेनका राठौड़, युगंधर, संतोष पावस्कर, स्वप्निल बेगले, अविनाश नारकर और एक अन्य एजेंट के रूप में हुई है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर एक इंवेस्टमेंट कंपनी के एजेंट के रूप में काम किया और सितंबर २०२३ में एक फर्जी योजना शुरू की। अधिकारी ने बताया,उन्होंने आकर्षक रिटर्न का वादा करके निवेशकों को लुभाया और उन्हें केवनी दिवे, कलहेर और भिवंडी जैसे क्षेत्रों में जमीन दिलाने का आश्वासन दिया। योजना के प्रचार के लिए विज्ञापन भी प्रकाशित किए गए थे। हालांकि, वादा किए गए प्लॉट उन्हें कभी नहीं मिले। पीड़ितों ने स्पष्टीकरण और अपने पैसे की वापसी के लिए आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कथित तौर पर उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने कहा, कथित धोखाधड़ी में शामिल कुल राशि ६४.५६ लाख रुपये है। प्रत्येक आरोपी की भूमिका का पता लगाने और अन्य संभावित पीड़ितों की पहचान करने के लिए विस्तृत जांच चल रही है।

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेशः चुनाव ड्यूटी पर कोर्ट स्टाफ नहीं जाएगा

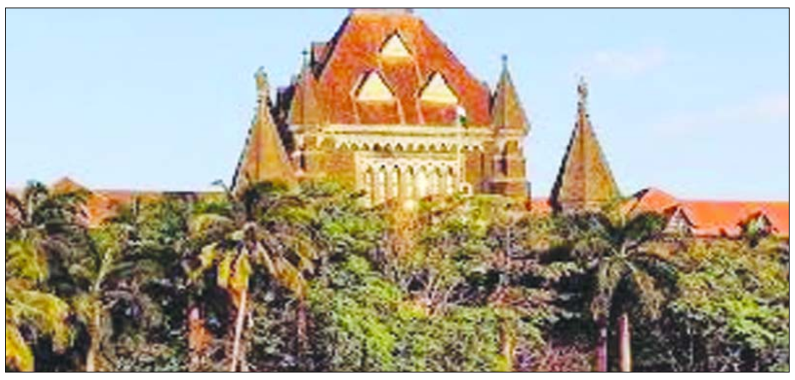

चीफ जस्टिस के घर देर रात हुई सुनवाई

मुंबई, १ जनवरी - बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक दुर्लभ और बेहद अहम कदम उठाते हुए देर रात चीफ जस्टिस के आवास पर विशेष सुनवाई की और बृहन्मुंबई नगर निगम को चुनाव ड्यूटी के लिए कोर्ट कर्मचारियों को तैनात करने से रोक दिया। विशेष बेंच जिसमें चीफ जस्टिस श्री चंद्रशेखर और जस्टिस अश्विन डी.भोबे शामिल थे, ३० दिसंबर २०२५ को रात ८ बजे चीफ जस्टिस के घर पर बैठी। ये सुनवाई एक सुओ मोटो रिट याचिका पर हुई, जो तब दायर की गई जब नगर आयुक्त ने न्यायिक कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से छूट देने से इनकार कर दिया। दरअसल, २९ दिसंबर २०२५ को नगर आयुक्त सहजिला चुनाव अधिकारी ने एक पत्र जारी कर अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से छूट देने की मांग को सीधे खारिज कर दिया था। इसके बाद कोर्ट स्टाफ को ३० दिसंबर को दोपहर ३ बजे तक ड्यूटी पर रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया। ये आदेश उस समय जारी किया गया, जब इनचार्ज चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, एस्प्लेनेड, मुंबई और हाईकोर्ट के एक रजिस्ट्रार पहले ही ळषभ, कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को लिखकर बता चुके थे कि हाईकोर्ट ने वर्ष २००९ में ही अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से मुक्त रखने का फैसला लिया था। सुनवाई के दौरान बीएमसी की ओर से पेश वकील कोमल पंजाबी और जोएल कार्लोस ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा। हालांकि, बेंच ने कहा कि बारबार सूचित किए जाने के बावजूद ळषभ ने कोर्ट स्टाफ की तैनाती की प्रक्रिया जारी रखी। छह पन्नों के अपने आदेश में बेंच ने साफ कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद २३५ के तहत अधीनस्थ अदालतों और उनके कर्मचारियों पर पूरा नियंत्रण और निगरानी हाईकोर्ट की होती है। कोर्ट ने ये भी कहा कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ की धारा १५९ में जिन विभागों और संस्थाओं से चुनाव ड्यूटी के लिए स्टाफ लेने की बात कही गई है।

आयपीएल से बांग्लादेशी खिलाडियों के बहिष्कार की मांग

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर की केकेआर को चेतावनी

मुंबई, १ जनवरी - इंडियन प्रीमियर लीग में बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल किए जाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने इस मुद्दे पर कड़ा बयान देते हुए ळभभ से अपील की है कि आयपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटरों को जगह न दी जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर आयपीएम में बांग्लादेशी क्रिकेटर को जगह क्यों दी गई और हिंदुओं की भावनाओं को बारबार अनदेखा क्यों किया जाता है। देवकीनंदन ठाकुर ने अपने बयान में कहा, हमने कहा था बांग्लादेश का कोई क्रिकेटर नहीं आना चाहिए। हमने सर्च करवाया कि किस किस आईपीएल की टीम में बांग्लादेशी है। हमने यहां से जाकर सर्च करवाया कि किस किस टीम में बांग्लादेशी है। एक बांग्लादेशी क्रिकेटर है, मात्र एक, जो आईपीएल में खरीदा गया है।

देवकीनंदन ठाकुर ने सीधे तौर पर कोलकाता नाइट राइडर्स का नाम लेते हुए कहा, आज इस कथा में बैठकर हम उससे यह कह देना चाहते हैं, अगर तुम्हें हिंदुओं से प्रेम है, अगर तुम्हें भारत से प्रेम है और अगर हिंदुओं के मरने का दुख तुमको भी हैः तो मिस्टर केकेआर उस खिलाड़ी को बांग्लादेश के खिलाड़ी को अपनी टीम से निकाल कर बाहर करो, तुरंत बाहर करो। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे णणइ के बहिष्कार के लिए मजबूर होंगे। अपने बयान में उन्होंने खिलाड़ी की कीमत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ९ करोड़ २० लाख में खरीदा गया है वो बांग्लादेशी। और वो पैसा कहां जाएगा? उसका प्रयोग क्या होगा? तमाम हिंदू मारे जाएंगे। उन्होंने दर्शकों से सवाल करते हुए कहा कि अगर णणइ ने उस खिलाड़ी की कैंसलेशन नहीं की तो यह बहुत बड़ा खेला होगा। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, मिस्टर केकेआर भूलना मत, तुमको हिंदुस्तानियों ने हीरो बनाया है और जो हीरो बना सकता है वो जीरो भी बना सकता है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अभी समय है।

एसटी बस स्थानकों पर स्वच्छता के लिये हर पंधरा दिनों में विशेष मुहिम

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड़

राज्य परिवहन मंडल की पहल

मुंबई, १ जनवरी - महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल के सभी बस स्थानकों पर, बस स्थानक परिसर तथा प्रशासकिय इमारतों में हर १५ दिनों में स्वच्छता मुहिम चलाये जाने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों को अधिक स्वच्छ तथा सुरक्षित व स्वास्थ्यदायी सुविधा मिलने तथा एसटी की सकारात्मक प्रतिमा और मजबूत हो इस उद्देश्य से महत्वपूर्ण उपक्रम प्रारंभ किया गया है।

इस मुहिम अंतर्गत बस स्थानकों की बैठक व्यवस्था दिवार, काच, शौचालय, पीने के पानी का स्थान, महिला विश्रांतीगृह, कार्यालयिन कक्ष आदि की स्वच्छता की जायेंगी। जमा हुआ कचरा अनावश्यक पेड पौधे, विज्ञापन के बोर्ड, जालिया आदि का निमूर्लन कर परिसर और अधिक स्वच्छ सुंदर किया जायेंगा। कचरा व्यवस्थापन के लिये स्वतंत्र डिब्बे उपलब्ध कर कचरे का योग्य वर्गिकरण कर कचरे को हटाया जायेंगा। इसके साथ ही यात्रियों तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जायेंगा। इस अभियान के लिये स्थानिक स्वराज्य संस्था, सामाजिक संस्था, विद्यार्थी, नागरिक तथा राज्य परिवहन के अधिकारी व कर्मचारियों के सहयोग से यह मुहिम और अधिक प्रभावी रुप से चलायी जायेंगी। प्रत्येक बस स्थानकों पर इस मुहिम को कडाई से अमल में लाया जायेंगा। इस मुहिम की जवाबदारी

संबंधित विभाग प्रमुख को सौंपी गयी है। हर १५ दिन के बाद होने वाली इस स्वच्छता मुहिम के चलते एसटी बस स्थानक अधिक स्वच्छ, स्वास्थ्यदायी तथा यात्रियों के लिये आनंददायी साबित होंगा। यात्री सेवा की गुणवत्ता में बढोत्तरी होने में मदद होंगी। इस निर्णय के चलते यात्रियों का विश्वास और अधिक मजबूत होंगा, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की गयी है।

अचानक पलटा मौसम और बढ़ गई ठंड

मुंबई में बारिश से हुआ नए साल का स्वागत

मुंबई, १ जनवरी - महाराष्ट्र का राजधानी मुंबई में नए साल का स्वागत बरसात से हुआ। साल के पहले दिन ही मौसम ने अचानक से पलटी मारी और बेमौसम बारिश ने ठंड बढ़ा दी। बारिश होने से मुंबई के प्रदूषण में तो कमी आई है, मौसम सुहाना भी हो गया है लेकिन अब ठंड का एहसास हो रहा है। बारिश के साथ ठंडी हवाओं ने तापमान में अच्छीखासी गिरावट ला दी। फिलहाल, माहौल यह है कि पूरे मुंबई में रूकरूक कर बारिश हो रही है।मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि अरब सागर में नमी बढऩे और पश्चिमी विक्षोभ के चलते मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो रही है। हालांकि, संभावना है कि अगले कुछ घंटों के अंदर ही मौसम साफ हो जाए। १ जनवरी की रात को मौसम सामान्य रहने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन हल्की फुहारें कहींकहीं जारी रह सकती हैं। मुंबईकरों ने भी अचानक पडऩे वाली इस ठंड के मजे लिए। मरीन ड्राइव, जूहू और बांद्रा में लोगों ने ठंडी हवा के साथ बौछार के साथ सुबह की शुरुआत की। बारिश इतना ज्यादा नहीं थी कि ट्रैफिक पर इसका प्रभाव पड़े। हालांकि, प्रशासन ने सलाह दी है कि फिसलन से बचें। नए साल के पहले दिन दिल्ली और एनसीआर के लोगों को कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। ठंड के साथसाथ बारिश की भी संभावना जताई गई है, जो इस मौसम की पहली बरसात हो सकती है। एक जनवरी की सुबह से ही सर्द हवाओं और कोहरे ने ठिठुरन बढ़ा दी है। दिन भर यह ठंड बने रहने का अनुमान जताया गया है। धूप के भी दर्शन कुछ कम हो सकते हैं।

महाराष्ट्र के बीड में दर्दनाक घटना ९वीं की छात्रा ने कर ली खुदकुशी

परिजनों में मचा कोहराम

बीड, १ जनवरी - महाराष्ट्र के बीड जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। कक्षा ९ में पढऩे वाली १४ वर्षीय छात्रा ने आत्महत्या कर ली। यह घटना जिले के काइज तहसील के तांबवा गांव की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक छात्रा २८ दिसंबर को घर में अकेली थी। इसी दौरान उसने अपने घर की पहली मंजिल पर यह कदम उठाया। परिजनों को जब घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए काइज के उपजिला अस्पताल भेजा।छात्रा ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसके कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह समझा जा सके कि छात्रा किसी मानसिक तनाव, पारिवारिक परेशानी या अन्य किसी दबाव में तो नहीं थी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हाल के दिनों में उसके व्यवहार में कोई बदलाव तो नहीं देखा गया था। इस घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय लोग इस खबर से स्तब्ध हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि किशोरावस्था में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है और परिवार व समाज की भूमिका इसमें बेहद अहम होती है। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मामले की पूरी सच्चाई सामने आ पाएगी।

शिवसेना नेता का एबी फॉर्म छीनकर निगल गए एकनाथ शिंदे के ही उम्मीदवार

गजब है यह महानगरपालिका चुनाव

पुणे, १ जनवरी - महाराष्ट्र महानगर पालिका चुनाव के बीच सियासी सरगर्मी बढ़ती जा रही है। इस बीच पुणे नगर निगम से एक अजीबोगरीब मामला सामने आ रहा है। पुणे मुनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में एकनाथ शिंदे के उम्मीदवार का एबी फॉर्म फाडक़र निगल जाने का मामला सामने आया है। इस आरोप में शिवसेना के ही प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामला धनकावाड़ी सहकारनगर वार्ड कार्यालय में हुई है। बाद में शिवसेना उम्मीदवार उद्धव कांबले (३४) के खिलाफ भारती विद्यापीठ थाने में मामला दर्ज किया गया। दरअसल, पुणे शहर की वार्ड संख्या ३४ में १५ जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव के लिए शिवसेना के दो उम्मीदवारों को एबी फॉर्म जारी किए गए थे। इसी बात को लेकर शिवसेना के उम्मीदवारों कांबले और मच्छिंद्र धवले के बीच तीखी बहस हुई। पुलिस ने बताया कि बहस के दौरान कांबले ने कथित तौर पर धवले के एबी फॉर्म छीन लिए, उन्हें फाड़ दिया और निगल लिया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकारी कर्मचारी के आधिकारिक कर्तव्यों में बाधा डालने के लिए मामला दर्ज किया गया है। हम मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो, पुणे नगर निगम समेत महाराष्ट्र के २९ नगर निगमों में १५ जनवरी को चुनाव होगा।

नासिक-सोलापुर/अक्कलकोट छह लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

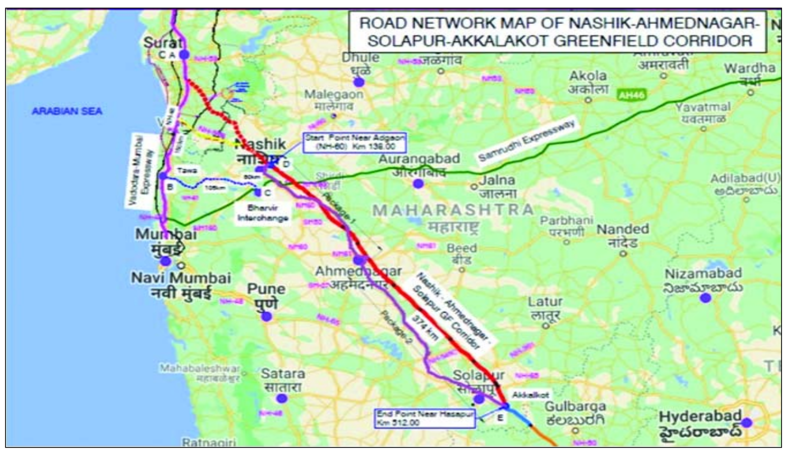

नई दिल्ली, १ जनवरी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने महाराष्ट्र में ३७४ किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड एक्सेसकंट्रोल्ड नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना बिल्डऑपरेटट्रांसफर मॉडल पर क्रियान्वित की जाएगी, जिसकी कुल अनुमानित पूंजीगत लागत १९,१४२ करोड़ रुपये है।

नासिक, अहिल्यानगर और सोलापुर जैसे प्रमुख शहरों को जोडने वाला यह कॉरिडोर आगे चलकर कर्नूल से भी जुड़ेगा। यह परियोजना पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत एकीकृत परिवहन अवसंरचना के विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। नासिक से अक्कलकोट के बीच प्रस्तावित यह ग्रीनफील्ड मार्ग वर्धा बंदर इंटरचेंज के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, नासिक में राष्ट्रीय राजमार्ग ६० (आडेगांव) जंक्शन पर आगरा-मुंबई कॉरिडोर, तथा पांगरी (नासिक के पास) में समृद्धि महामार्ग से जोड़ा जाएगा। यह मार्ग पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक सीधा परिवहन संपर्क उपलब्ध कराएगा।

चेन्नई बंदरगाह की ओर, तिरुवल्लूर, रेणिगुंटा, कडप्पा और कर्नूल मार्ग से चेन्नई से हसापुर (महाराष्ट्र सीमा) तक लगभग ७०० किलोमीटर लंबे चार लेन कॉरिडोर का कार्य पहले से प्रगति पर है, जिससे इस परियोजना को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इस एक्सेस कंट्रोल्ड छह लेन ग्रीनफील्ड परियोजना का मुख्य उद्देश्य महामार्ग क्षमता में सुधार करना है। इसके माध्यम से यात्रा समय में लगभग १७ घंटे तथा दूरी में २०१ किलोमीटर की कमी आने की उम्मीद है। नासिक-अक्कलकोट (सोलापुर) मार्ग से एनआईसीडीसी (नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के कोप्पर्थी और ओरवाकल जैसे प्रमुख औद्योगिक नोड्स तक माल ढुलाई की लॉजिस्टिक क्षमता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

नासिक-तालेगांव दिघे खंड पुणे-नासिक एक्सप्रेसवे के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह परियोजना महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित नए एक्सप्रेसवे का हिस्सा होगी। इससे यातायात सुरक्षा बढ़ेगी और बिना रुकावट तेज गति से यात्रा संभव हो सकेगी, साथ ही यात्रा समय, ट्रैफिक जाम और परिचालन लागत में कमी आएगी।

यह परियोजना न केवल क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी, बल्कि नासिक, अहिल्यानगर, धाराशिव और सोलापुर जिलों के समग्र आर्थिक विकास में भी अहम योगदान देगी। यह छह लेन एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर क्लोज टोलिंग सिस्टम से युक्त होगा। इसमें औसतन ६० किमी प्रति घंटा और अधिकतम १०० किमी प्रति घंटा की डिजाइन स्पीड की अनुमति होगी। इससे कुल यात्रा समय में लगभग ४५ प्रतिशत की कमी आएगी और यात्रियों व मालवाहक वाहनों को सुरक्षित, तेज और निर्बाध परिवहन सुविधा मिलेगी।

इस परियोजना से लगभग २५१.०६ लाख मानव दिवस प्रत्यक्ष रोजगार और ३१३.८३ लाख मानव दिवस अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। साथ ही, कॉरिडोर के आसपास आर्थिक गतिविधियां बढने से अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

कांग्रेस के मक्कार नेताओं से रहे सावधान

हाजी मेराज खान पठान की अपील | सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड से बातचीत

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - पिछले २५ वर्षो से हम कांग्रेस से इमानदार रहे। गली से लेकर दिल्ली तक सक्रिय रहे। मुस्लिम समाज में कांग्रेस को जीवित रखा। मगर कांग्रेस के मक्कार नेताओ ने कांग्रेस को खत्म करने की ठानी है। मक्कार नेताओ से सावधान रहने की अपील हाजी मेराज खान पठान ने जनता से की है। सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड से वे बातचीत कर रहे थे।

मेराज खान पठान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने शिक्षित व अच्छी छबी के लोगो को उम्मीदवारी नहीं दी। अच्छे कार्यकर्ताओ को सिर्फ सतरंजी उठाने तक सिमित रखा तथा ताशे बजानेवालो को ही कांग्रेस के स्थानीय नेता अपने करीब रखते है। पश्चिम क्षेत्र विकास से कोसो दूर है। भूखंड में नाली नही, गरीबो की पुकार सुनने वाला कोई नहीं। पश्चिम क्षेत्र में आंगनवाडी व ढंग की स्कूलें तक कांग्रेस के राज में नहीं बनी। मेराज खान ने बल देकर कहा कि अब तक १० हजार लोगों तक व पहुंचे है। लोगों की प्राथमिक जरूरत पानी, नाली, बिजली है। २ साल से साफसफाई नहीं हो रही है। साथ ही उन्होंने स्थानीय नेताओं पर यह भी आरोप लगाया कि पैसे की सेटींग कर स्थानीय नेताओं ने टिकट का वितरण किया। इन्हीं नेताओं ने कांग्रेस की मैयत उठाने का पुरा बंदोबस्त कर रखा है।

एनसीपी को विजयी बनाये

मेराज खान पठान ने झल्लाते हुए कहा कि मुस्लिम समाज ने उस व्यक्ति को २ बार विधायक और मंत्री बनने का अवसर दिया। उनका समाज के लिए कोई योगदान नहीं। महापालिका चुनाव में जनता कांग्रेस को सबक सिखायेगी। उन्होंने कहा कि जनता को अब एनसीपी को मजबूत करना है। मैं जनता को यह भी कहना चाहता हूं कि जिस तरह शहर में लगातार विकासकार्य शुरु है, वह सब विधायक सुलभा खोडके तथा विधायक संजय खोडके के अथक प्रयास के चलते हो रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मैं अब कांग्रेस को सबक सिखाने के लिए जीजान लगाकर एनसीपी के उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए उनका साथ दे रहा हूं। ताकि विकास को गति देनेवाले लोगों की जीत हो।

विधानसभा में भी नही दी टिकट

मेराज खान पठान ने कहा कि विधान सभा चुनाव में भी उन्हें टिकट नहीं दी। फिर भी वे पार्टी से निष्ठावान रहे। पूर्व विधायक सुनील देशमुख के लिए अपने क्षेत्र में अपने खर्चे पर सभाए ली। पार्टी ने निष्ठावान लोगो से किनारा किया। पूर्व विधायक डा.सुनील देशमुख ने मनपा चुनाव में टिकट देने का वादा किया था। वे अपना वादा भूल गये। उन्होंने इस समय यह भी कहा कि कांग्रेस को मुस्लिम क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के बाद पूछनेवाला नहीं था। लेकिन हमने कांग्रेस को जीवित रखने का काम किया। आज उन्हीं गद्दार कांग्रेसी नेताओं ने चंद कोडियों के खातिर सच्चे व निष्ठावान लोगों को पार्टी से खुद दूर किया। जिसके जिम्मेदार वे खुद है।

विदर्भ की दहाड के भातकुली कार्यालय का उद्घाटन

विस्तृत समाचार पृष्ठ ६ पर

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- विदर्भ में अपनी अलग पहचान बनानेवाले सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड अखबार का भातकुली स्थित जयस्तंभ चौक पर तालुका कार्यालय का उद्घाटन मुख्य संपादक सुनील सचदेव के हाथों किया गया।

महानगर का अखबार हूं, सच लिखता हूं यह स्लोगन अब विदर्भ के हर तालुका प्लेस में गूंजने लगा है। प्रिंट मीडिया जगत में सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड अखबार धीरे धीरे जिला सहित विदर्भ के हर तहसील में अपनी छाप बना चुका है। सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड को १० साल पूर हो चुके है। इसी बीच भातकुली में तालुका कार्यालय का उद्घाटन नए साल के पहली तारीख में किया गया। भातकुली तालुका संवाददाता के तौर पर अजिम खान खलिल खान को यहां की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही सभी वर्ग के नागरिकों तथा सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में अपनी अगल पहचान बनानेवाले अजिम खान अब पत्रकारिता क्षेत्र में अपनी भूमिका तथा लोगों को अखबार के माध्यम से न्याय दिलाने के लिए कटिबद्ध है। इसलिए अखबार के संपादक सुनील सचदेव ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें पहचानपत्र सौंपा। उद्घाटन अवसर पर प्रतिनिधि शफी भाई, उपसंपादक सईद खान, नगरसेवक खलील खान, फैमुद खान, अब्दुल सत्तार, रऊफ खान, अमिन खान, अ. फहीम, अ. रफीक, रहमत खान, नाजिम खान, पत्रकार धनराज, पत्रकार शहजाद, मोहसीन खान व अन्य कई मान्यवर उपस्थित थे।

तालुका संवाददाता बने अजिम खान

रेल्वे स्टेशन पर लगी अचानक आग, बडा हादसा टला

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

मुर्तिजापुर, १ जनवरी - जिले के मुर्तिजापुर रेल्वे स्टेशन परिसर में आज दोपहर ३.३० बजे के दौरान उस समय अफरा-तफरा मच गयी थी, जब रेल्वे स्टेशन पर खडी एक डिजल से भरी वैगन में अचानक आग लग गयी थी। इस घटना के चलते कुछ के लिये स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गयी थी। आग लगने की जानकारी मिलते ही रेल्वे स्टेशन प्रबंधन की ओर से दमकल विभाग को जानकारी दी। कुछ ही देर में दमकल के वाहन मौके पर पहुंचे, और आग पर काबू पाने का प्रयास प्रारंभ किया। जल्द ही आग पर काबू पाये जाने से एक बडी घटना टल गयी। अन्यथा शहर में यह घटना गंभीर रुप ले सकती थी। समय रहते आग पर काबू पाये जाने से एक बडा हादसा टल गया। आग के कारणों का पता नही लग पाया है। मामले की जांच जारी है। डिजल टैंकर में आग लगना कोई मामुली बात नही है। रेल्वे की इस कार्यशैली को लेकर सवालिया निशान उपस्थित हुआ है। मामले की कडी जांच होंगी क्या?, ऐसा सवाल उपस्थित हो रहा है।

साहिल लॉन के पास से दुपहिया चोरी

अमरावती, १ जनवरी - बडनेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले जुनी बस्ती साहिल लॉन के पास से मोहम्मद कासीक अब्दुल लतिफ की दुपहिया क्रं. एमएच- २७ सीडी- ३१२१ पर अज्ञात ने हाथ साफ कर दिया। चोरी गयी दुपहिया की कीमत १५ हजार रुपये बतायी गयी है। वही खोलापुरी गेट थाना क्षेत्र के महेश कॉलनी रामकृष्ण विहार स्थित ड्रिमपार्क के सामने से एक महिला की हौंडा एक्टिवा क्रं. एमएच-२७ बीसी- ०७६७ पर अज्ञात ने हाथ साफ कर दिया। जिसकी कीमत २५ हजार रुपये बतायी गयी है। शिकायत के मुताबिक घर के आंगण में महिला ने अपनी दुपहिया ३० दिसंबर की रात ८ बजे खडी की थी। दुसरे दिन सुबह पाया कि जहां दुपहिया खडी की थी वहा दुपहिया नही है।

२२ सिंधी परिवारो को पट्टे वाटप

एसडीएम की पहल

संवाददाता, विदर्भ की दहाड

वडसा, १ जनवरी -स्थानिय सिंधी कॉलोनी कन्नमवार्ड स्थित सिंधी भवन में पट्टे वाटप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के हाथो विस्थापीत २२ सिंधी परीवारो को पट्टे का वितरण किया गया।

विगत २-३ पिढीयो से सिंधी समाज प्रशासन से जमीन पट्टे की मांग करता रहा है। केवल चुनाव के समय यह मुद्दा सुर्खियो में रहता है। दो पिढीया चली गई मगर पट्टे नही मिले थे। समाज को बहुत इंतजार करना पडा। एसडीएम ने पहल करते हूए नुतन वर्ष के पहले दिन २२ परीवारो को पट्टे वितरीत किये। बाकी बचे हूए लोगो को भी जल्द ही पट्टे वितरण का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में आसाराम भाई, जेसा मोटवानी, मोती कुकरेजा, हरीदास मोटवानी, संतोष शामदासानी, लक्ष्मण रामानी, सुरेश डैगानी, महेश सचदेव, महेश गंगवानी, खेमचंद लालवानी, दिलीप कुमार जिवानी, राजकुमार मोटवानी आदी सिंधी बंधू उपस्थित थे।

राकांपा शरद पवार के १६ शिलेदार चुनाव मैदान में

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - मनपा चुनाव ने राकांपा शरद पवार व मित्रदलो ने ३२ प्रत्याशी उतारे है। उसमें से १६ उम्मेदवार राकांपा शरद पवार गुट से चुनाव लड रहे है।

घोषित प्रत्याशीयो में प्रभाग १ से गजानन राऊत, प्रभाग ३ से आसिफ खान, प्रभाग ४ से शाहीदा बानो, प्रभाग ८ से नितीन राऊत, प्रभाग ९ से तेजश्री वानखडे, प्रभाग १० से राहुल मोहोड, प्रभाग ११ से संजीवनी डोंगरे, प्रभाग १२ से राजेंद्र माहोरे, प्रभाग १३ से विशाल बोरखडे, अर्चना यादव, प्रभाग १६ से अरबाज खान, शेख फारूक, प्रभाग १७ से माधुरी कालसरपे, दिलीप व-हाडे, प्रभाग १८ से भावना उरकुडे व प्रभाग २० से कृतीका कडू को उम्मीदवार बनाया। इस चुनाव में ऑल इंडीया फॉरवर्ड ब्लॉक, भाकप, रिपाई गवई व सपा से आघाडी की गई है। फॉरवर्ड ब्लॉक से प्रभाग ३ से डा.महफुज खालिद, जवश्री कुबडे, एड. शमाईल खान, प्रभाग ५ से गोपाल ढेकेकर, प्रभाग १० से भारती गुडधे, प्रभाग १२ से धर्मराज सारवान, प्रभाग १९ से रामकृष्ण महाजन व भाकपा से प्रभाग १० से प्रतिभा मेश्राम, संतोष राऊत, प्रभाग १७ से रमेश भगत उम्मीदवार है। रिपाई गवई से प्रभाग २ से दिनेश भाकडे, नरेंद्र गुलदेकर, प्रभाग ३ से रचना मकेश्वर, प्रभाग ६ से संजय धोटे, प्रभाग १९ से सुमन सुर्यवंशी को उम्मीदवार बनाया है। यह जानकारी राकांपा शरद पवार के डा.हेमंत देशमुख, डा.राजेंद्र गवई, बालसाहब कोराटे, सुनील घटाले, एड.जिया खान ने संयुक्त रूप से दी।

मित्रदलो ने दिया अवसर

मेरी सेवा ही मेरी पहचान

प्रभाग क्र. ३ नवसारी से याह्या खान पठान एमआईएम के उम्मीदवार

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी- अमरावती महानगर पालिका चुनाव २०२६ का बिगुल बज चुका है। इसी बीच हर पार्टी ने अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। ऐसे में नवसारी प्रभाग क्र. ३ से सर्वसाधारण पुरुष ड गट से याह्या खान पठाण को एमआईएम की उम्मीदवारी मिली है। मेरी सेवा ही मेरी पहचान है, ऐसा याह्या खान पठाण का कहना है।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमिन (एआईएमआईएम) के प्रत्याशी याह्या खान पठाण ने सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड से चर्चा के दौरान कहा कि पिछले २० सालों से मैं समाज के हर वर्ग के लिए समाजसेवा तथा विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र का मिशन चला रहा हूं। जिससे अब तक सैंकडों विद्यार्थियों को पुलिस, सैनिक, सरकारी नौकरियां मिल चुकी है। मेरी यहीं सोच है कि समाज में बदलाव के लिए पढे लिखे और अच्छी छबी वाले नेताओं की बहुत जरुरत है। मेरा मराठी मीडियम से ग्रैजुएट हुआ है। साथ ही शासकीय कामों की जानकारी भी मैं हमेशा युवाओं व नागरिकों को देते रहता हूं। जिससे कई नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। आम जनता तक पहुंचकर उनकी समस्या का समाधान करता हूं। साथ ही मनपा शिक्षण क्षेत्र में मेरी एक अलग पहचान है। इसी तरह प्रभाग की हर एक समस्या से मैं बखूबी वाकिफ हूं।

विद्यार्थियों को सक्षम बनाना लक्ष्य

उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समाज के विद्यार्थियों तथा अनुसूचित जाति जमाति के विद्यार्थियों को मैं पुलिस भर्ती ट्रेनिंग, आएएएस, आयपीएस, एमपीएससी, यूपीएससी, स्पर्धा परीक्षा, रोजगार गारंटी योजना व सरकारी योजनाओं की जानकारी हमारे करीयर गाइडन्स के माध्यम से दी जाती है। ताकि सभी समाज के सभी घटकों व विद्यार्थियों को लाभ मिल सकें और वह भविष्य में खुद सक्षम व मजबूत हो सके।

नेता नहीं सेवक बनना चाहता हूं

याह्या खान पठाण ने सांध्य दैनिक विदर्भ की दहाड से बातचीत के दौरान कहा कि मैं नेता नहीं सेवक बनना चाहता हूं। ताकि समाज के हर घटक की समस्या में दूर कर सकु। मुझपर एमआईएम ने भरोसा कर अपनी पार्टी से उम्मीदवारी दी है। और मैं प्रभाग क्र. ३ नवसारी से उम्मीदवार के तौर खडा हूं। मैं लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आपस में भाईचारा हमेशा बरकरार रखता हूं। इसलिए लोगों से मेरा डोअर टू डोअर प्रचार शुरु है। मैं सभी वर्गो के विकास के लिए काम करने में सक्षम हूं। इसलिए जनता मुझे अपना सेवक चुने, ऐसी मैं आशा करता हूं।

वंचित व युनायटेड फोरम के ४५ प्रत्याशी लडेंगे चुनाव

प्रतिनिधि, विदर्भ की दहाड

अमरावती, १ जनवरी - वंचित बहुजन आघाडी व युनायटेड फोरम ने मनपा चुनाव में ४५ प्रत्याशी उतारे है। कांग्रेस की पूर्व महापौर व पूर्व पार्षद को मौका दिया है। यह जानकारी पत्रकार परीषद में दी।

अनेक राजनीतिक दलो में टिकट बटवारे को लेकर संभ्रम की स्थिती है। भाजपा व कांग्रेस के प्रति नाराजगी है। कांग्रेस की वंदना कंगाले व शोभा शिंदे को टिकट कांग्रेस ने नही दी। अब दोनो पूर्व पार्षद वंचित बहुजन आघाडी व युनायटेड रिपब्लिकन से चुनाव लडने जा रही है। बालासाहब आंबेडकर के नेतृत्व पर विश्वास रख डा.अलिम पटेल के मार्गदर्शन में चुनाव लड रही है। डा.पटेल, डा.निलेश विश्वकर्मा, राहुल मेश्राम व किरण गुडधे ने मजबुत आघाडी निर्माण की है। अकोला पैटर्न अमरावती में भी सफल होगा। प्रेसवार्ता में डा.पटेल, वंदना कंगाले, शोभा शिंदे, रविंद्र शिंदे, अंसार बेग उपस्थित थे।

कांग्रेस पूर्व पार्षदो को दिया मौका

समाज को करते इस्तेमाल

डा.अलिम पटेल ने आरोप लगाया की कांग्रेस के बबलू शेखावत समाज को केवल इस्तेमाल करते है। किसी को आगे नही आने देते। उनके प्रभाग में उनका वोट तक नही है। वे नेता कम व्यापारी अधिक है।

सदानंद दाते महाराष्ट्र के नए डीजीपी

मुंबई, १ जनवरी- महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी सदानंद दाते को बुधवार को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। दाते तीन जनवरी को रिटायर हो रहीं मौजूदा डीजीपी रश्मि शुक्ला की जगह लेंगे। दाते राज्य के सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। १९९० बैच के आईपीएस अधिकारी दाते इससे पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे और हाल ही में उन्हें महाराष्ट्र कैडर में वापस भेजा गया था। महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने बुधवार को एक आदेश जारी कर दाते को राज्य पुलिस फोर्स का नया प्रमुख घोषित किया। मुंबई हमले के दौरान अपनी बहादुरी के लिए जाने जाने वाले दाते का इस नए पद पर दो साल का कार्यकाल होगा। उन्हें २६/११ मुंबई आतंकी हमलों में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रपति के पुलिस वीरता पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है। ५९ वर्षीय दाते इससे पहले महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुख भी रह चुके हैं।

मुंबई के इन इलाकों में संभाली अहम जिम्मेदारी

दाते का अनुभव काफी विस्तृत है। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में डीआईजी के पद पर भी काम किया है। इसके अलावा वे केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में महानिरीक्षक (ऑपरेशन) के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। मुंबई के पास मीराभाईंदर और वसईविरार जैसे शहरों में पुलिस आयुक्त की जिम्मेदारी भी उन्होंने संभाली है। दाते ने पुणे विश्वविद्यालय से आर्थिक अपराधों में डॉक्टरेट की उपाधि भी हासिल की है।

पृष्ठ १ से जारी ....

सेब से लेकर बिस्कीट ...

है। चुनाव आयोग द्वारा जारी सूची में खाद्य पदार्थों से संबंधित चिन्हो की भरमार है। उम्मीदवार अपनी पसंदानुसार सेब, बिस्कीट, पाव, केक, ढोबली मिर्च, फुलगोबी, नारीयल, गन्ना, अदरक, अंगुर, हरी मिर्च, कटहल, भिंडी, मका, मुंगफल्ली, मटर, नाशपाती, अननस, तरबुज, अखरोट और भोजन की थाली जैसे चिन्ह चुन सकते है। इसके अलावा वाहन और इलेक्ट्रानिक वस्तुओं के चिन्ह भी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। चुनाव आयोग के नुसार चुनाव चिन्ह का महत्व इसलिए अधिक है क्यो की मतदाता अक्सर उम्मीदवार का नाम भुल जाते है। लेकिन चिन्ह उनकी याददाश्त में बना रहता है। जिससे मतदान करना आसान हो जाता है। यह मुक्त चिन्ह निर्दलीय उम्मीदवार और गैरमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलो के लिए है। चुनाव आयोग के पास ४१६ गैरमान्यता प्राप्त लेकिन पंजीकृत दल है। जिन्हे यह स्वतंत्र चिन्ह आवंटीत किये जायेंगे। निर्दलीय उम्मीदवारो के लिए आवेदन करते समय तीन मुख्य चिन्ह का उल्लेख करना अनिवार्य किया गया है। चिन्हो के आवंटन में एक विशिष्ट क्रम का पालन किया जायेगा।

प्रेमी युगल ने ट्रेन से कटकर ...

चलते अक्षय तथा अक्षदा ने यह आत्मघाती कदम उठाया। बताया गया है कि अक्षदा शेळके अंत्री स्थित एक कॉन्वेंट में कार्यरत थी। जबकि अक्षय खारकर वाहन चालक के रुप में कार्यरत था। घटना की जानकारी मिलते ही उरल पुलिस मौका ए वारदात पर पहुंची। घटना स्थल का पंचनामा कर दोनों शव पोस्टमार्टम के लिये जिला सामान्य अस्पताल भेजे गये। घटना उजागर होने के बाद से शेळद गांव में शोक का वातावरण व्याप्त है। मामले की जांच उरल के थानेदार पंकज कांबळे कर रहे है।

भाजपा के समक्ष चुनौतियो ...

वोट बैंको से सेंध लगाने की कोशिश है। सभी प्रभागो में वोट शेयर बढाने का प्रयास किया जा रहा है। चुनाव के बाद किंगमेकर स्पष्ट होगी। शहर की राजनिती में खोडके व राणा दो टोक है। यह मनपा चुनाव दोनो नेताओ के लिए सत्ता नही बल्की शहर में अपना वर्चस्व बनाये रखनी की जिम्मेदारी है। भाजपा में इच्छुको की भीड, उम्मीदवारी देते वक्त हुई भागमभाग और जिनकी टिकट कटी वे भाजपा के लिए चुनौती है।

खबर, लेख, कविताएँ, मनोगत आदि के लिए संपर्क करें..

ईमेल आयडी	- amtdahad@gmail.com
मो. नंबर.	- ९०२११८२५८५०
जाहिरात के लिए संपर्क	- ९४२२६६६८२७, ७९७२४१६१०६
शहर कार्यालय का पत्ता	- २०९, २१०, दुसरा माला, ड्रिम्ज लैंडमार्क, राजकमल-राजापेठ रोड, अमरावती. ४४४६०१

धन्यवाद !

पढ़ते रहिए आपका अपना अखबार

सांध्य दैनिक

विदर्भ की दहाड

महानगर का अखबार हूँ... सच लिखता हूँ...

अमरावती

मा.श्री.प्रकाशजी जिवानी